संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 25
पृष्ठ 8
शुक्रवार
11 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- परफेक्ट ऑफबीट बीच....

विचार- लद्दाख से उठी हिमालय की ....

खेल- भारत की जीत से पाकिस्तान....

ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी भारत के डीएनए में : योगी

● एमपीआईटी गोरखपुर के प्रथम बैच के विद्यार्थियों से सीएम योगी ने किया संवाद

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी भारत के डीएनए में है। अपार संभावनाओं से परिपूर्ण हमारे युवाओं की तरफ पूरी दुनिया नई उम्मीद से देख रही है। निश्चित ही आने वाला समय भारत है। युवा संघर्षों से अपनी राह बनाएं, सफलता कदम चूमेगी। योगी गुरुवार को गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से संचालित महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) के प्रथम बैच के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में ज्ञान, विज्ञान और श्रम की त्रिवेणी अनवरत प्रवाहित है। परंपरा, परिश्रम और प्रगति हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा है। यही प्रवृत्ति हमें दुनिया में सबसे विशिष्ट बनाती है। आवश्यकता है खुद को वैश्विक स्तर के अनुरूप खुद को तैयार करने की। हमें अभिभावकों की अपेक्षाओं पर भी खरा उतरना है। इसके लिए छात्र और शिक्षक कदम से कदम मिलाकर चलें। नेशनल–इंटरनेशनल जर्नल्स का नियमित अध्ययन करें और खुद को ई–लाइब्रेरी की तरफ अग्रसर करें। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी तकनीकी पर ध्यान देना चाहिए जो जीवन को सरल और सहज बनाए, समस्याओं का समाधान करे। ऐसी तकनीकी पर फोकस करने की आवश्यकता है जो प्रकृति के साथ समन्वय बनाकर विकास को नई ऊंचाई पर ले जाए। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश रोजगार का बड़ा हब बन रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश आज के तकनीकी दौर की महत्वपूर्ण जरूरत सेमी कंडक्टर का हब बनने की दिशा में काफी आगे बढ़ चुका है। इसमें सीधे निवेश के साथ कई गुना चक्रीय निवेश भी हो रहा है। इसके अनुरूप प्रशिक्षित श्रम उपलब्ध कराने के लिए आगे आने की जिम्मेदारी तकनीकी संस्थाओं की है। योगी ने कहा कि कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनियाभर में विख्यात सिलिकॉन वैली में भारत का दबदबा है और इसमें उत्तर प्रदेश के युवाओं की बड़ी हिस्सेदारी है। सिलिकॉन वैली, हैदराबाद और बेंगलुरु के बाद उत्तर प्रदेश को भी इस दिशा में तीव्रतम गति से आगे बढ़ना है। इसी लक्ष्य को लेकर पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला स्टेट ऑफ आर्ट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) में स्थापित हो रहा है। विश्व स्तरीय मानक के अनुरूप यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पूर्वी उत्तर प्रदेश के पंद्रह अन्य तकनीकी शिक्षण संस्थानों के लिए भी महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि एमपीआईटी परिसर के अलग–अलग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड थ्री डी प्रिंटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी, समेत कई एकीकृत पाठ्यक्रम भी संचालित होंगे। ग्लोबल स्टैंडर्ड के पाठ्यक्रम से जुड़कर विद्यार्थी यहां प्रोफेशनल सर्टिफिकेट कोर्स, माइनर डिग्री कोर्स और एडवांस कोर्स के जरिये खुद को संबंधित उद्योग–सेवा के क्षेत्र के अनुरूप तैयार कर सकेंगे। संवाद कार्यक्रम में योगी ने फैकल्टी का आह्वान किया कि वे ग्लोबल मार्केट की डिमांड का अध्ययन करें और उसके अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करें। हमारा जोर मॉडर्न एज कोर्सेज पर होना चाहिए। उन्होंने बताया कि टाटा कंसल्टेंसी इस पर खासा काम कर रही है। यदि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में यदि हम मॉडर्न एज कोर्सेज पर फोकस करेंगे तो यह शत प्रतिशत प्लेसमेंट की गारंटी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1956 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने पहला पॉलिटेक्निक शुरू किया था। आज महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक प्रदेश के टॉप पोलिटेक्निक्स में से एक है। इसी प्रेरणा से हमें मिलकर महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) को आने वाले पांच साल में यूपी का टॉप इंस्टिट्यूट बनाना है। इसके लिए आवश्यक है कि संस्था को इंडस्ट्री से जोड़ा जाए और युवाओं को सतत स्किल्ड बनाया जाए। एमपीआईटी के प्रथम बैच के छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम में कई विद्यार्थियों में ज्ञान, विज्ञान, तकनीकी, रोजगार आदि विषय पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रश्न भी किए।

हम शांतिप्रिय देश, एक–दूसरे का करते हैं सम्मानः पीएम मोदी

लाओस, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आसियान –इंडिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि मैंने भारत की एक्ट–ईस्ट नीति की घोषणा की थी। पिछले एक दशक में इस नीति ने भारत और आसियान देशों के संबंधों को नई ऊर्जा, दिशा और गति दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरा मानना है कि 21वीं सदी इंडिया और आसियान देशों की सदी है। आज जब दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष और तनाव की स्थिति है, भारत और आसियान की मित्रता, संवाद और सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। पिछले 10 वर्षों में हमारा आसियान क्षेत्रों के साथ हमारा व्यापार लगभग दो गुना होकर 130 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। आज भारत ने 7 आसियान देशों के साथ डायरेक्ट फ्लाइट कनेक्टिविटी है और जल्द ही ब्रुनेई के साथ भी सीधी उड़ानें शुरू होंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान के साथ विकास साझेदारी में भारत के मानव–केंद्रित दृष्टिकोण को रेखांकित किया और बताया कि कैसे 300 आसियान छात्रों को नालंदा विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति से लाभ हुआ है। उन्होंने कहा नेटवर्क ऑफ यूनिवर्सिटी लॉन्च किया गया है। लाओस, कंबोडिया, वियतनाम, म्यांमार, इंडोनेशिया में साझी विरासत और संरक्षण के लिए काम किया गया है। भारत ने कई क्षेत्रों में सहयोग के लिए भारत–आसियान विज्ञान और प्रौद्योगिकी कोष, हरित कोष और डिजिटल कोष में 30 मिलियन डॉलर का योगदान भी दिया है। पीएम ने कहा कि भारत और आसियान पड़ोसी हैं, ग्लोबल साउथ में भागीदार हैं और दुनिया में तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हम शांतिप्रिय देश हैं, एक–दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं और हम अपने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। मेरा मानना है कि 21वीं सदी भारत और आसियान देशों की सदी है। आज, जब स्थिति है दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष और तनाव के बीच, भारत और आसियान की दोस्ती, सहयोग, संवाद और सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है।

नेकां विधायक दल के नेता चुने गये उमर, होंगे जम्मू–कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री

श्रीनगर, एजेंसी। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को गुरुवार को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया, जो जम्मू–कश्मीर में एक दशक में पहली निर्वाचित सरकार के गठन की दिशा में बड़ा कदम है। नेकां के नव–निर्वाचित विधायकों ने श्रीनगर में एक बैठक में भाग लिया, जिसके दौरान श्री अब्दुल्ला के विधायक दल के नेता के रूप में चुनाव को मंजूरी दी गयी। नेकां उपाध्यक्ष ने बैठक के बाद संवाददाताओं

से कहा, "मुझे अपना नेता चुनने के लिए मैं पार्टी विधायकों का आभारी हूं। हमें चार निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन मिला है और हम सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए अपने गठबंधन सहयोगी कांग्रेस से पत्र का इंतजार कर रहे हैं।" श्री अब्दुल्ला ने कहा कि कांग्रेस से पत्र मिलने के बाद वह सरकार गठन की तारीख तय करने के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात करेंगे। विधायक दल की बैठक के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक अली मोहम्मद सागर ने घोषणा की कि श्री अब्दुल्ला को विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। उन्होंने कहा, "उमर को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया है। जल्द ही सरकार की बागडोर संभालने के लिए उमर अब्दुल्ला के अलावा कोई नहीं है और वही अगले मुख्यमंत्री होंगे।" नेकां ने हाल ही में हुए चुनाव में 90 सदस्यीय विधानसभा में 42 सीटें हासिल कीं। इंडिया समूह के पास 49 सीटें हैं।

मजदूरी मांगने पर बाप–बेटे ने दलित मजदूर की कर दी पिटाई, फिर मुंह पर थूका और किया पेशाब

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक ऐसी खबर सामने आई है जिससे मानवता शर्मसार हुआ है। खबर के मुताबिक अपनी मजदूरी मांगने पर कुछ लोगों के एक समूह ने एक दलित युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की, उस पर पेशाब किया और उसके चेहरे पर थूक दिया। अस्पताल में इलाज करा रहे पीड़ित ने बुधवार को अपराधियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने तीन लोगों–रमेश पटेल, भाई अरुण पटेल और उनके बेटे गौरव पटेल के खिलाफ मामला दर्ज किया और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू की। यह घटना 4 अक्टूबर को हुई जब पीड़ित रिंकू मांझी ने जिले के बोचहा पुलिस स्टेशन के तहत चौपर मदन गांव में आरोपी व्यक्तियों के पोल्ट्री फार्म में किए गए काम के लिए मजदूरी की मांग की। पेशे से मजदूर रिंकू ने पुलिस को बताया कि उसने कुछ दिनों तक रमेश पटेल के पोल्ट्री फार्म में काम किया था, लेकिन मजदूरी नहीं मिली। 4 अक्टूबर को पोल्ट्री फार्म मालिक को उसके व्यापार केंद्र पर देखकर रिंकू ने अपनी मजदूरी मांगी। इस बात से नाराज होकर रमेश ने अपने भाई अरुण पटेल और बेटे गौरव को बुलाया और सरेआम उसके साथ मारपीट की। रमेश ने अपने बेटे को पेशाब करने और उसके चेहरे पर थूकने के लिए कहा। हालाँकि, लोग मूकदर्शक बने रहे और उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया क्योंकि आरोपी अपने बाहुबल के लिए जाने जाते थे।

नम आंखों से रतन टाटा को दी गई अंतिम विदाई

● एनसीपीए लश्वन पहुंच अमित शाह ने दी श्रद्धांजलि

● राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुंबई में रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मुंबई में रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि दी। टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष टाटा, जिन्होंने एक प्रतिष्ठित समूह को भारत के सबसे बड़े और सबसे प्रभावशाली समूह में बदल दिया, ने बुधवार रात मुंबई में अंतिम सांस ली। शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे के साथ अदतिया ठाकरे, अनिल देसाई और अरविंद सावंत ने मुंबई में रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि दी। आज एक कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि श्री रतन टाटा का कल निधन हो गया। मैं उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वह न केवल भारत बल्कि विश्व के प्रतिष्ठित उद्योगपति थे। उन्होंने ऐसे समय में टाटा समूह का नेतृत्व संभाला जब टाटा समूह के लिए बदलाव करना महत्वपूर्ण था। उन्होंने टाटा ग्रुप के काम करने के तरीके और कई व्यवसायों को बदल दिया। शाह ने कहा कि रतन टाटा जी के नेतृत्व में बिजनेस ग्रुप ने शिक्षा और कैंसर के इलाज सहित कई अन्य क्षेत्रों में बहुत काम किया। रतन टाटा की विरासत उद्योग जगत में लोगों का मार्गदर्शन करेगी। महान उद्योगपति रतन टाटा को यहां राष्ट्रीय प्रदर्शन कला केंद्र (एनसीपीए) में बृहस्पतिवार कोश्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए छात्रों और युवाओं के लिए, वह सिर्फ एक उद्योगपति ही नहीं थे बल्कि मानवीय मूल्यों के एक जीवंत प्रतीक और एक आदर्श व्यक्ति थे जो परोपकार और पशुओं के प्रति अपने प्रेम के लिए भी जाने जाते थे। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को एक प्रस्ताव पारित किया है जिसमें केंद्र सरकार से दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किए जाने का अनुरोध किया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में दिग्गज उद्योगपति को श्रद्धांजलि दी गई।

मोदी ने मुंबई कौशल संस्थान का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली,एजेंसी। युवाओं को राष्ट्रीय और वैश्विक अवसरों के लिए रोजगार के योग्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को मुंबई में भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) का उद्घाटन किया। श्री मोदी ने आईआईएस का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए कहा कि सरकार देश के युवाओं के कौशल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ढालकर उन्हें वैश्विक अवसरों के लिए तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि वैश्विक समुदाय भारत को मानव संसाधन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में देखता है, जहां दुनिया भर में शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य सेवा और सॉफ्टवेयर विकास के क्षेत्र में अपार अवसर हैं। मुंबई के चूनाभट्टी में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) के भीतर चार एकड़ के विशाल परिसर में निर्मित, आईआईएस का उद्देश्य उद्योग 4.0 के लिए उद्योग–तैयार कार्यबल तैयार करना है, जो फैक्ट्री

ऑटोमेशन, डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग, मेक्ट्रोनिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग सहित कई ट्रेडों में अत्याधुनिक तकनीक और व्यावहारिक प्रशिक्षण से लैस है। सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से स्थापित, यह संस्थान कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, केन्द्र सरकार और टाटा आईआईएस (टाटा ट्रस्ट के तहत एक सेक्शन 08 कंपनी) के बीच एक सहयोग है। यह संस्थान हर साल 5,000 छात्रों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखता है।

हम बंगलों में रहने के लिए नहीं आये, सड़क पर बैठकर भी सरकार चलाएंगे : आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास को लेकर विवाद जारी है। आवास को लेकर पीडब्ल्यूडी के साथ विवाद के बीच, आप ने गुरुवार को तस्वीरें साझा कीं, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी अपने सामान के भरे डिब्बों से घिरी हुई अपने कालकाजी आवास पर फाइलों पर हस्ताक्षर करती दिख रही हैं। यह दृश्य पार्टी द्वारा दावा किए जाने के एक दिन बाद सामने आया है कि आतिशी को राष्ट्रीय राजधानी में 6, फ्लैगस्टाफ रोड बंगले को जबरन खाली करने के लिए मजबूर किया गया था। इन सबके बीच आतिशी ने पूरे विवाद को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। आतिशी ने आज मीडिया से कहा कि बीजेपी चिंतित है क्योंकि वह हमें चुनाव में नहीं हरा सकती। जब वह सरकार नहीं बना पाती तो ऑपरेशन लोटस शुरू करती है और फिर नेताओं को जेल में डाल देती है। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि अब वे सीएम आवास पर कब्जा करने की सोच रहे हैं। आतिशी ने साफ तौर पर कहा कि हम बड़े बंगलों में रहने के लिए राजनीति में नहीं आये हैं। जरूरत पड़ी तो हम सड़क पर बैठकर भी सरकार चलाएंगे, हम दिल्ली की जनता के दिलों में रहते हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंद केजरीवाल ने यह आवास खाली कर दिया था।

धार्मिक जुलूस निकालते समय पटाखों में विस्फोट से छह लोग घायल

पंजाब, एजेंसी। पंजाब में यहां बृहस्पतिवार को एक धार्मिक जुलूस के दौरान बैग में रखे पटाखों में दुर्घटनावश आग लगने पर उसमें हुए विस्फोट से छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि यह घटना प्रह्लाद नगर इलाके की है। पुलिस ने कहा कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आसपास की दुकानों, मकानों की खिड़कियां और कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने कहा कि कुछ लोग जुलूस के दौरान पटाखे फोड़ रहे थे। पुलिस ने कहा कि एक व्यक्ति के गर्दन से लटक रहे उस बैग में दुर्घटनावश आग लगने पर विस्फोट हो गया जिसमें पटाखे भरे हुए थे।

सपा ने दूसरी बार मुज्तबा को फिर दिया मौका, तीन बार बसपा से रहे हैं विधायक

प्रयागराज। बहुजन समाज पार्टी से तीन बार विधायक रहे मुज्तबा सिद्दीकी पर समाजवादी पार्टी ने लगातार दूसरी बार भरोसा जताया है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में महज 2732 वोट से शिकस्त खाने वाले मुज्तबा सिद्दीकी सपा से दूसरी बार फूलपुर विधानसभा से ताल ठोकेंगे। मुज्तबा सिद्दीकी ने 2022 फूलपुर विधानसभा चुनाव पूरी दमदारी से लड़ा था। भाजपा के प्रवीण पटेल बड़ी मुश्किल से जीत हासिल कर सके थे। इसके अलावा इस वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में सपा को फूलपुर विधानसभा सीट से 17 हजार की लीड मिली थी। इस कारण कार्यकर्ता खासे उत्साह में हैं। मुज्तबा के राजनीतिक सफरनामे की बात करें तो 2002 में उन्होंने बसपा के टिकट पर सोरांव विधानसभा से किस्मत आजमाई। पहले ही चुनाव में उन्होंने जीत हासिल की। बसपा ने 2007 के चुनाव में भी प्रत्याशी बनाया। इस बार भी वह जीत गए। 2012 के चुनाव में बसपा ने मुज्तबा की सीट बदल दी। उन्हें प्रतापपुर विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया। हालांकि, यह चुनाव वह हार गए। 2017 के चुनाव में बसपा ने उन्हें एक बार फिर प्रतापपुर से ही टिकट दिया। इस बार वह जीत गए। बताया जाता है कि इस चुनाव के बाद से ही उनकी बसपा प्रमुख से अनबन शुरू हो गई। 2022 आते–आते उन्होंने बसपा छोड़ समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। 2022 के चुनाव में वह फूलपुर विधानसभा से पहली बार लड़े। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी एवं वर्तमान सांसद प्रवीण पटेल को टक्कर भी दी, लेकिन मामूली अंतर से वह चुनाव हार गए। अब एक बार फिर से वह इसी सीट से ताल ठोंकने के लिए तैयार हैं। फूलपुर के लिलहट गांव निवासी मुज्तबा सिद्दीकी छह भाई–बहनों में सबसे छोटे हैं। मुज्तबा का सियासी सफर 1988 में शुरू हुआ। तब उन्होंने ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। 1993 तक वह ग्राम प्रधान रहे। प्रयागराज के रोशनबाग में भी उनका आवास है। मुज्तबा सिद्दीकी के पास एक पेट्रोल पंप एवं गैस एजेंसी है। गंगापार में उनका एक निजी कॉलेज भी है। 2024 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान सपा ने मुज्तबा को फूलपुर सीट का प्रभारी बनाया। उस चुनाव में फूलपुर विधानसभा सीट में सपा प्रत्याशी अमरनाथ मौर्य को प्रवीण पटेल के मुकाबले 17 हजार से ज्यादा मत हासिल हुए। बताया जा रहा है कि इन्हीं कारणों से सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उनपर भरोसा जताया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उस पर पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास करूंगा। फूलपुर ही नहीं, प्रदेश की जिन सीटों पर उपचुनाव होना है वहां सपा और गठबंधन प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है। – मुज्तबा सिद्दीकी, पूर्व विधायक एवं प्रत्याशी फूलपुर विधानसभा। फूलपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी द्वारा प्रत्याशी की घोषणा के बाद अब हर किसी की निगाहें भाजपा पर टिकी हैं। सपा की ओर से मुस्लिम प्रत्याशी मुज्तबा को उतारे जाने के बाद चर्चा है कि भाजपा इस सीट से कुर्मी बिरादरी के नेता को टिकट थमा सकती है। प्रत्याशी कौन होगा, यह डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के रुख पर भी काफी निर्भर है। पार्टी ने उन्हें इस सीट का प्रभारी बनाया है। उनकी रजामंदी के बिना पार्टी प्रत्याशी की घोषणा नहीं करेगी। केशव भी फूलपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत कर रहे हैं। दशहरा बाद उनका एक बार फिर से आने का कार्यक्रम बन रहा है। वर्तमान समय में फूलपुर विधानसभा में टिकट के जिन दावेदारों के नाम सामने आए हैं उसमें पूर्व विधायक दीपक पटेल, सांसद प्रवीण पटेल की पत्नी गोल्डी पटेल, डॉ. विक्रम सिंह पटेल, गंगापार अध्यक्ष कविता पटेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा अश्विनी कुमार पटेल, अरुण सिंह पटेल, राम परख पटेल के साथ नगर पंचायत अध्यक्ष फूलपुर अमरनाथ मौर्य, पूर्व सांसद नागेंद्र सिंह पटेल, गंगापार जिला कोषाध्यक्ष आशीष केसरवानी प्रमुख रूप से शामिल हैं। भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि प्रत्याशियों के नाम को लेकर मंथन चल रहा है। उम्मीद है कि बहुत जल्द पार्टी उम्मीदवार का नाम घोषित करेगी।

एक ही मामले में दो विरोधाभासी आदेश जारी होने की जिला जज करेंगे जांच, कोर्ट ने दिया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद के जिला न्यायाधीश को मानहानि के एक मामले में दो विरोधाभासी आदेश जारी किए जाने की जांच करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि यह भी जांच करें कि किन परिस्थितियों में संबंधित न्यायालय के कर्मचारियों ने वेबसाइट पर अहस्ताक्षरित मसौदा आदेश अपलोड किए हैं। कोर्ट ने कहा कि संबंधित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के एक युवा मजिस्ट्रेट हैं। उनके लंबे करियर को ध्यान में रखते हुए उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल आदेश पारित नहीं कर रहा हूं। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की कोर्ट ने पारुल अग्रवाल की अर्जी पर यह आदेश दिया। संबंधित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वर्तमान में अब एक अलग जिले में तैनात हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई करने से कोर्ट ने परहेज किया, जबकि अदालत ने पाया कि उन्होंने सावधानी नहीं बरती थी और संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ जांच भी शुरू नहीं की थी। गाजियाबाद के रहने वाले दंपती ने आवेदक के खिलाफ मानहानि का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। ट्रायल कोर्ट ने 13 फरवरी को शिकायत पर एक ही दिन में दो आदेश पारित कर दिए। पहले आदेश में मानहानि की शिकायत खारिज कर दी गई थी, जबकि दूसरे आदेश में आरोपी को मुकदमे का सामना करने के लिए बुलाया गया था। इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। आवेदक के वकील ने दो आदेश जारी करने की पूरी जानकारी कोर्ट को दी। कोर्ट को बताया कि जिस आदेश से शिकायत खारिज की गई थी, उस पर हस्ताक्षर नहीं थे। जबकि जिस आदेश से अभियुक्त को बुलाया गया था, वह हस्ताक्षरित आदेश था। न्यायालय ने मजिस्ट्रेट से स्पष्टीकरण मांगा था। जवाब में न्यायिक अधिकारी ने बिना शर्त माफी मांगी और बताया कि उनके न्यायालय के कर्मचारियों ने अनजाने में एक अहस्ताक्षरित और मसौदा आदेश अपलोड कर दिया था। कोर्ट ने दोनों आदेशों को रद्द करते हुए मामले को नए सिरे से निर्णय लेने के लिए पुनः ट्रायल कोर्ट को भेज दिया । साथ ही तीन महीने के भीतर कानून के अनुसार नया आदेश पारित करने का आदेश दिया।

बदलेगा सर्किट हाउस उद्यान का लुक, बनेगी गुलाबबाड़ी

प्रयागराज। महाकुम्भ के पहले सर्किट हाउस के उद्यान का लुक भी बदल जाएगा। उद्यान में गुलाबबाड़ी बनाई जाएगी और तमाम देसी और फूलों से इसे सजाया जाएगा। सर्किट हाउस को सजाने के लिए और मेला प्राधिकरण में हरियाली बढ़ाने के लिए उद्यान विभाग की ओर से काम शुरू कर दिया गया है। महाकुम्भ के दौरान तमाम वीआईपी प्रयागराज आएंगे। इसमें से तमाम लोग सर्किट हाउस में ही ठहरेंगे। वर्तमान में सर्किट हाउस में उद्यान तो हैं, लेकिन इसमें बहुत अच्छे पेड़ पौधे नहीं लगाए गए हैं। यहां पर रंग बिरंगे फूलों को लगाने के लिए उद्यान विभाग ने काम शुरू कर दिया है। देसी और विदेशी नस्ल के तमाम पौधे के लिए टेंडर हो गया है। जिला उद्यान अधिकारी उमेश चंद्र उत्तम ने बताया कि सर्किट हाउस की सजावट के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। वहीं इस बार मेला क्षेत्र में फाइवर के गमलों को लगाया जाएगा। मिट्टी के गमले रखने के बाद हटाने में समस्या आती थी। इसके टूटने फूटने का खतरा रहता था। अब जो गमले लगाए जाएंगे, वो स्थाई रहेंगे। फिलहाल एक हजार गमलों के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। प्रयागराज। महाकुम्भ का प्रचार करने के लिए जारी किए गए लोगो को अब प्रचारित किया जा रहा है। कलक्ट्रेट परिसर में नए लोगो की बड़ी होर्डिंग लगाई गई है। जिससे आने वाले लोगों का इस पर ध्यान जाए।

सीएमपीः प्रतियोगिता के प्रमथ विजेता को मिला 51 हजार

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज की ओर से कमला बहुगुणा की जन्म शताब्दी के अवसर पर 19 अक्तूबर को वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 'क्या भारत में महिलाओं को आरक्षण देने से वास्तविक समानता हासिल की जा सकती है, विषय पर गोष्ठी प्रतियोगिता होगी। खास बात यह है कि प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को 51000 और ट्रॉफी, द्वितीय को 31000 व ट्रॉफी और 21000 व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। इसके लिए द्वितीय चरण की प्रतियोगिता में शमिल सभी प्रतिभागियों को 2100 रुपये और ट्रॉफी प्रदान किए जाएंगे।

फिर भी कांग्रेस ने नहीं छोड़ी उम्मीद

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी का उम्मीदवार घोषित होने के बाद भी कांग्रेस ने दावेदारी नहीं छोड़ी है। जिला कांग्रेस कमेटी अभी भी फूलपुर विधानसभा सीट पर प्रत्याशी उतारने की तैयारी कर रही है। सपा का प्रत्याशी घोषित होने के बाद जिला कांग्रेस के नेताओं ने बुधवार शाम बैठक की। बैठक में फूलपुर से पार्टी का प्रत्याशी उतारने पर चर्चा हुई। बैठक के बाद कांग्रेस के जिलाध्यक्ष (गंगापार) सुरेश यादव ने बताया कि कांग्रेस पीछे नहीं हटी है। अब पार्टी हाईकमान के निर्देश का इंतजार हो रहा है।

महाकुंभ के लिए रेलवे पहली बार जारी करेगा टोल फ्री नंबर, ट्रेनों व मेले से संबंधित मिलेगी जानकारी

प्रयागराज। अगले वर्ष की शुरुआत में लगने वाले महाकुंभ की तैयारियों को रेलवे ने अंतिम रूप दे दिया है। कुंभ के मौके पर उत्तर मध्य रेलवे का प्रयागराज मंडल पहली बार टोल फ्री नंबर जारी करने जा रहा है। यह नंबर 18004199139 रहेगा। एक नवंबर 2024 से यह नंबर एक्टिवेट हो जाएगा। बृहस्पतिवार को मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) कार्यालय में डीआरएम हिमांशु बडोनी ने बताया कि इस टोल फ्री नंबर के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों के श्रद्धालुओं को महाकुंभ से जुड़ीं तमाम सुविधाएं, स्पेशल ट्रेनों की जानकारी, प्रयागराज और आसपास जनपदों के दर्शनीय स्थल आदि के बारे में जानकारी

मिल जाएगी। डीआरएम ने बताया कि यह टोल फ्री नंबर 24 घंटे काम करेगा। इसके लिए एक टीम का गठन किया गया है। टोल फ्री नंबर पर हिंदी और अंग्रेजी समेत कुल 10 भाषाओं में संवाद किया जाएगा। इसके अलावा महाकुंभ को लेकर प्रयागराज जंक्शन के बाद अब प्रयागराज छिवकी पर भी मे आई हेल्प यू, काउंटर खोला जा रहा है। इसके माध्यम से यात्री प्रयागराज के होटल, अतिथि गृह, कैब की बुकिंग आदि सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। डीआरएम ने बताया कि चौफटका से सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन के ऊपर से निकलने वाला रेल ओवरब्रिज का निर्माण 15 दिसंबर तक हो जाएगा। यह पहला मौका है जब कुंभ के पहले प्रयागराज को 21 रेलवे ओवर ब्रिज, रेल अंडर ब्रिज की सौगात मिलने जा रही है। कुछ पुल इस माह तो अगले माह शुरू हो जाएंगे। महाकुंभ के दौरान प्रमुख स्नान पर्व के मौके पर यात्रियों का क्रॉस मूवमेंट न हो इसके लिए आने और जाने का रास्ता अलग–अलग रखा जा रहा है। स्नान पर्व के मौके पर सभी स्टेशनों की वाहन पार्किंग बंद रहेगी। इसके अलावा पार्सल सेवा भी स्नान पर्वों पर बंद रहेगा। प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी आदि स्टेशनों पर लगे एस्केलेटर भी स्नान पर्वों पर बंद रहेंगे।

चार दिन दिल्ली तो तीन दिन प्रयागराज नहीं आएगी आगरा वंदे भारत एक्सप्रेस, मार्ग परिवर्तित

प्रयागराज। अगले कुछ प्रयागराज से दिल्ली और अन्य रूटों पर सफर करने वाले यात्रियों पर भारी होने वाले हैं। प्रयागराज जंक्शन पर यार्ड रिमॉडलिंग की वजह से जंक्शन आने वाली 69 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। 16 से 21 अक्तूबर की अवधि में वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली दोनों वंदे भारत का प्रयागराज जंक्शन पर 18 से 21 अक्तूबर तक आगमन–प्रस्थान नहीं होगा। इस अवधि में आगरा–वाराणसी वंदे भारत 19 से 21 अक्तूबर तक प्रयागराज जंक्शन नहीं आएगी। इन तीन जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन कानपुर और लखनऊ होते हुए वाराणसी तक होगा। इसके अलावा 11061 लोकमान्य तिलक–जयनगर, 11062 जयनगर–लोकमान्य तिलक, 11107 ग्वालियर–बनारस बुंदेलखंड, 11108 बनारस–ग्वालियर बुंदेलखंड , 15181 मऊ– लोकमान्य तिलक, 15159 छपरा–दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस, 15160 दुर्ग–छपरा, 18205 दुर्ग– नवतनवा, 18206 नौतनवा–दुर्ग, 20933 उधना–दानापुर, 20934 दानापुर–उधना, 22669 एरीच रोड–पटना, 12791 सिकंदराबाद–दानापुर, 12792 दानापुर–सिकंदराबाद, 12307 हावड़ा–जोधपुर, 22308 बीकानेर–हावड़ा, 12987 सियालदाह–अजमेर, 12988 अजमेर–सियालदाह, 15634 गुवाहाटी–बीकानेर, 22535 रामेश्वरम–बनारस, 22536 बनारस–रामेश्वरम का ठहराव छिवकी स्टेशन पर होगा। इसी तरह 14005 सीतामढ़ी–आनंद विहार, 14006 आनंद विहार–सीतामढ़ी, 12561 जयनगर–नई दिल्ली, 12562 नई दिल्ली–जयनगर , 22433 गाजीपुर–आनंद विहार, 22434 आनंद विहार–गाजीपुर का फाफामऊ स्टेशन पर रुकेगी।

किन्नर अखाड़े में दो फाड़, महामंडलेश्वर भवानीनंद गिरि ने दिया इस्तीफा, बनाया किन्नर धाम

प्रयागराज। जूना अखाड़े से संबद्ध किन्नर अखाड़ा दो फाड़ हो गया है। अंदरूनी कलह की वजह से महामंडलेश्वर भवानीनंद गिरि ने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने किन्नर अखाड़े अलग किन्नर धाम बना लिया है।उन्होंने किन्नर अखाड़े के नाम पर भूमि सुविधाएं लेने और शिविर लगाने से भी इन्कार कर दिया है। माघ मेले के दौरान शिविर में आग लगने को लेकर छिड़े विवाद की लपटें किन्नर अखाड़े में टूट–फूट का सबब बन गई हैं। किन्नर अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने विवाद सुलझाने की कोशिश की लेकिन, मान–मनौव्वल बेकार चली गई। अखाड़े में घमासान तब तेज हो गया जब लक्ष्मीनारायण ने भवानीनंद गिरि के निष्कासन की घोषणा कर दी। निष्कासन के बाद भवानीनंद गिरि ने इस्तीफा दे दिया। इससे नाराज होकर भवानीनंद ने अलग राह बना ली। हरिद्वार में भवानीनंद गिरि उर्फ भवानी मां ने किन्नर अखाड़े से अलग किन्नर धाम बना लिया है। वह वहीं से ही सनातन धर्म के प्रचार के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने किन्नर घाट का भी निर्माण कराया है। इसके अलावा किन्नरों के हितों की रक्षा के लिए अलग आश्रम भी बना लिया है। भवानीनंद गिरि ने बुधवार को अमर उजाला से बातचीत में अखाड़े में मची रार को सार्वजनिक किया। उनका कहना था कि अब वह कभी भी किन्नर अखाड़े में कदम नहीं रख सकतीं। उन्होंने सभी पदों से त्याग पत्र दे दिया है। वहां उनकी जान को खतरा है। इसलिए उन्होंने अलग किन्नर धाम बनाकर सनातन के प्रचार का निर्णय लिया है। किन्नर अखाड़े से किसी को निष्कासित नहीं किया गया है। लेकिन, जो लोग अलग संस्था बनाकर काम कर रहे हैं उनके लिए कोई जोर–दबाव भी नहीं डाला जा सकता। हमारी कोशिश देश–दुनिया के किन्नरों को एकजुट कर उन्हें अखाड़े में गरिमा और सनातन के अनुरूप सम्मान दिलाने का है। – आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी, किन्नर अखाड़ा भवानीनंद गिरि ने बताया कि वह महाकुंभ में शिविर नहीं लगाएंगी। अब वह महाकुंभ में कदम नहीं रखेंगी। वहां मेरी जान को खतरा है। माघ मेले में मुझको जिंदा जलाकर मारने की कोशिश की गई थी। मैं जूना अखाड़े के संरक्षक महंत हरि गिरि की शिष्य हूं। मैं सनातन के लिए जूना अखाड़े के साथ मिलकर संन्यासियों के लिए आजीवन काम करती रहूंगी।

वाराणसी–प्रयागराज हाईवे पर हादसा, चार की मौत

कछवांरोड। प्रयागराज वाराणसी हाईवे पर बिहड़ा (मिर्जामुराद) में गुरुवार भोर करीब पांच बजे तेज रफ्तार कार खड़े डंपर में घुस गई। हादसे में कार सवार दंपति, एक बुजुर्ग महिला, एक अन्य युवती की मौत हो गई। कार सवार 12 वर्षीय बालक बच गया। बजरंग कालोनी, मंडुवाडीह निवासी 35 वर्षीय दीपक कुमार, अपनी पत्नी 32 वर्षीय दीप माला पांडेय, सास 55 वर्षीय फूल देवी, 32 वर्षीय एक महिला और बेटे 12 वर्षीय शिवांश पांडेय को लेकर कार से कहीं से दर्शन पूजन कर वाराणसी लौट रहे थे। कछवांरोड में बिहड़ा में हाईवे पर पहुंचे थे, तभी तेज रफ्तार कार खड़े डंपर में घुस गई। मौके पर ही तीन की मौत हो गई। हालांकि, मिर्जामुराद पुलिस ने सभी को बीएचयू ट्रामा सेन्टर पहुंचाया, जहां सभी चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई।

अक्तूबर से बदल जाएगा सभी विमानों का समय, लागू होगा विंटर शेड्यूल

प्रयागराज। 27 अक्तूबर से सभी विमानों का समय बदल जाएगा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) विंटर शेड्यूल लागू करने जा रहा है। यह तकरीबन पांच माह तक प्रभावी रहेगा। विंटर शेड्यूल में इंडिगो की हैदराबाद, रायपुर एवं अकासा एयर की मुंबई उड़ान को जगह दी गई है, जबकि इंडिगो की भोपाल एवं देहरादून शेड्यूल में शामिल नहीं है। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में अहमदाबाद समेत कुछ अन्य शहरों के लिए शुरू होने वाली नई उड़ानों को विंटर शेड्यूल में शामिल किया जा सकता है। प्रमुख उड़ानों की बात करें तो इंडिगो की दिल्ली उड़ान अब प्रयागराज से 12.55 की जगह दोपहर 3.10 बजे रवाना होगी। दिल्ली से प्रयागराज के लिए इसकी रवानगी सुबह 11.10 की जगह दोपहर 1.15 बजे होगी। इसी तरह प्रयागराज से इंडिगो की मुंबई उड़ान दोपहर 2.30 की जगह 1.30 बजे रवाना होगी। मुंबई से प्रयागराज के लिए यह विमान 11.55 की जगह सुबह 10.50 बजे उड़ान भरेगा। प्रयागराज बंगलूरू उड़ान सुबह 11.30 की जगह दोपहर 1.20 बजे उड़ान भरेगी। इंडिगो की हैदराबाद ही एकमात्र उड़ान है जिसका समय विंटर शेड्यूल में नहीं बदला गया है। यह विमान पहले की तरह ही सुबह 11.20 बजे यहां से उड़ान भरेगा।

चौड़ा हो रहा त्रिवेणी मार्ग, 10 मीटर छोटा हो गया मिंटो पार्क

प्रयागराज। महाकुम्भ के लिए शहर की सड़कों को चौड़ा किया जा रहा है। सड़कों किनारे और चौराहों पर ग्रीनरी को बढ़ाने पर करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं। वहीं विकास के नाम पर धीरे–धीरे बच्चों के पार्क का दायरा सिमटता जा रहा है। इस बार महाकुम्भ के लिए यमुना बैंक रोड पर बने मदन मोहन मालवीय उद्यान (मिंटो पार्क) का दायरा सिमट रहा है। इसके पूर्व पन्ना लाल रोड को चौड़ा करने के लिए आजाद पार्क को एक मीटर छोटा किया जा चुका है। नैनी ब्रिज की ओर पार्क की मूल बाउंड्रीवॉल गिराकर नया निर्माण भी कर दिया गया है। अब दूसरी ओर से लगभग 10 मिटर जमीन मेला प्राधिकरण ने अधिग्रहित कर ली है। जिसे छोटा कर त्रिवेणी मार्ग को चौड़ा किया जा रहा है। दसअसल, महाकुम्भ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान है। पुराने यमुना ब्रिज से यमुना बैंक रोड के रास्ते जब लोग मेला क्षेत्र में जाते हैं तो उन्हें नए यमुना ब्रिज के नीचे से जाना होता है। इस दौरान मिंटो पार्क गेट से लेकर सामने सड़क पर जाम लग जाता है। अभी ही जाम की स्थिति हो रही है तो महाकुम्भ के दौरान हालात और खराब होंगे। ऐसे में मार्ग को चौड़ा करने का काम प्रस्तावित है। मदन मोहन मालवीय उद्यान मिंटो मेमोरियल सोसायटी के नाम है। साथ ही यह सेना की जमीन पर है। सोसायटी को जमीन लीज पर दी गई थी। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने सोसायटी व सेना की अनुमति लेकर पार्क की 10 मीटर की जमीन ले ली है। इसे छोटा किया जा रहा है। इससे क्षेत्रीय लोगों ने नाराजगी है। प्रतिदिन मिंटो पार्क टहलने के लिए आने वाले धर्मेंद्र सिंह का कहना है कि हमारा पूर्व से ही प्रयास था कि पार्क की जमीन न कम हो, लेकिन इसे लिया गया है और काम शुरू कर दिया गया है। वहीं शिवानंद अवस्थी, राधे श्याम श्रीवास्तव का कहना है कि इस पार्क में बच्चे और बुजुर्ग दोनों आते हैं। विकास के नाम पर पार्कों को छोटा किया जाना समझ से परे है। पार्क में मेला प्राधिकरण की ओर से द्वादश ज्योर्तिलिंग का निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए बजट स्वीकृत हो चुका है। काम भी शुरू हो चुका है। निर्माण से खूबसूरती तो बढ़ेगी लेकिन दायरा और कम हो जाएगा।

मीट, मछली दुकानों के खिलाफ अभियान शुरू

प्रययागराज। महाकुम्भ के मद्देनजर संगम के आसपास मोहल्ले में मीट और मछली की दुकानें बंद कराने का अभियान शुरू हो गया। नगर निगम के पशुधन विभाग ने पहले दिन संगम क्षेत्र के पास सब्जी मंडी में एक मीट और आठ मछली की दुकानें बंद कराई गईं। नगर निगम के पशुधन अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने बताया कि जिस भवन में मीट की दुकान थी, उसके मालिक को भविष्य में मीट की दुकानें नहीं खोलने की चेतावनी दी गई है। संगम के अलावा गंगा–यमुना किनारे 500 मीटर दायरे में यह अभियान चलेगा। महाकुम्भ शुरू होने के पहले गंगा–यमुना किनारे भी दुकानें बंद कराने की योजना है।

स्नान क्षेत्र के आवारा कुत्तों को लगेगा एंटी रैबिज इंजेक्शन

प्रयागराज। महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को कटखने कुत्तों से बचाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत शहर के सभी स्नान क्षेत्र के आवारा कुत्तों को एंटी रैबिज इंजेक्शन लगाया जाएगा। कुत्तों का बधियाकरण भी होगा। एंटी रैबिज इंजेक्शन लगाने और बधियाकरण का अभियान बुधवार से शुरू कर दिया गया। नगर निगम के पशुधन विभाग की टीम पहले दिन संगम क्षेत्र पहुंची और आवारा कुत्तों की धरपकड़ शुरू कर दी। पहले दिन संगम क्षेत्र से 16 कुत्ते पकड़े गए। सभी को नगर निगम के करेली स्थित डॉग सेंटर ले जाया गया। नगर निगम के पशुधन अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने बताया कि केंद्र पर कुत्तों को एंटी रैबिज इंजेक्शन लगाने के साथ बधियाकरण किया जाएगा।

तमंचा व कारतूस के साथ एक धराया

प्रयागराज। एयरपोर्ट थाने की पुलिस ने बुधवार को मुखबिर की सूचना पर खानपुर सतवा गांव जाने वाले मार्ग पर गिरफ्तार किया। उसके से एक तमंचा व दो जिंदा कारतूस बरामद की गई। आरोपी सतवा चिरला गांव निवासी सुभाष सिंह के खिलाफ धारा 3धि25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

पुलिस कमिश्नर ने किया पैदल गश्त

प्रयागराज। नवरात्र सहित आगामी त्योहारों के मद्देनजर बुधवार की शाम पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने पुलिस टीम के साथ शहर के दुर्गा पूजा पंडालों व सार्वजनिक स्थानों का पैदल भ्रमण किया। उन्होंने टीम के साथ कर्नलगंज थानांतर्गत भारद्वाज पार्क, आनंद भवन, कर्नलगंज, नेतराम चौराहा, मनमोहन पार्क सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने और कानून का सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर एडीसीपी एन कोलांची, डीसीपी नगर अभिषेक भारती, एसीपी कर्नलगंज राजीव यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

प्राचीन भैरवन धाम पंहुचे लोकपाल समाज शेखर

सांगीपुर ग्राम पंचायत में मनरेगा शिकायतों का किया निरीक्षण
ब्लाक मुख्यालय पर ब्लाक प्रमुख व बीडीओ संग किया बैठक
मनरेगा कर्मियों को सुधारात्मक दिए आवश्यक निर्देश
अति प्राचीन पौराणिक बिचकुन के पौध का होगा संरक्षण

प्रतापगढ़ । लोकपाल मनरेगा समाज शेखर प्राण ने 9 अक्टूबर 2024 को सांगीपुर विकास खण्ड के सांगीपुर ग्राम पंचायत का स्थलीय निरीक्षण ग्राम पंचायत अधिकारी,मनरेगा कर्मियों व ग्राम वासियों की उपस्थिति में किया। शिकायतकर्ता पुजारी संजय गिरि भी मौके पर मौजूद थे। ग्राम प्रधान व रोजगार सेवक निजी कारणों से अनुपस्थित रहे। जिन्हे पत्रावली के साथ 11 अक्टूबर को लोकपाल कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए। जांच के बाद लोकपाल समाज शेखर ब्लाक प्रमुख बबलू सिंह तथा प्रभारी खण्ड विकास अधिकारी सांगीपुर उप निदेशक कृषि विनोद यादव के साथ विकास खण्ड कार्यालय में बैठक की और मनरेगा कर्मियों को सुधारात्मक सुझाव व आवश्यक निर्देश दिए गए।

लोकपाल समाज शेखर ने सर्व प्रथम ग्राम में स्थित अति प्राचीन भैरवन धाम में भगवान भोले नाथ का दर्शन पूजन किया तदोपरान्त धाम स्थित बिचकुन के पौध का अवलोकन किया। लोक मान्यता है कि भगवान भोले नाथ ने उक्त बृक्ष के पौध ा का रोपण स्वयं किया था। लोकपाल ने उक्त पौध स्थल के संरक्षण व प्रबन्धन हेतु ग्राम पंचायत को सुझाव दिया। ग्राम पंचायत अधिकारी सरिता यादव ने तकनीकी सहायक को योजना बनाकर यह कार्य प्राथमिकता पर कराने को तय किया। ग्रामीणों ने लोकपाल को अवगत कराया कि राज्यसभा सांसद श्री प्रमोद तिवारी व विधायक श्रीमती आराधना मिश्रा मोना के प्रयास से प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा धाम के विकास की योजना प्रस्तावित है। जिसका शिलान्यास भी हुआ है। लोकपाल ने खुशी जाहिर करते हुए जनपद के इस महत्वपूर्ण स्थल के विकास कार्य को आवश्यक ही नही अपरिहार्य बताया। तदोपरान्त लोकपाल ने शिकायत कर्ता संजय गिरि की शिकायतों को क्रमवार मनरेगा अधिकारियों तथा ग्राम वासियों की उपस्थिति में सुना। जिसमें कुछ शिकायतें पंचायतराज विभाग तथा अन्य विभाग से सम्बन्धित थी। जिस पर उन्होने सम्बन्धित विभाग के माध्यम से हल कराने को कहा। वहीं ग्राम में बने मनरेगा के खेत तालाबों का स्थलीय निरीक्षण किया जिसमें हरिशचन्द्र के खेत तालाब का इनलेट व आउटलेट तथा तालाब की सफाई व बन्धा में आंशिक कमियां मिली जिस पर तकनीकी सहायक को दुरूस्त कराके रिपोर्ट देने को कहा। वहीं सुखलाल सरोज के खेत तालाब में मछली पालन कार्य व पौध रोपण देखकर कार्य की सराहना की। राजू सरोज के नाम पर खेत तालाब के नाम पर पैसे निकालने की शिकायत संजय गिरि ने की जिस पर ग्राम विकास अधिकारी ने बताया कि यह तालाब योजना में नही लिया गया है। वहीं सीता देवी के तालाब को ग्रामीणों ने बताया कि यह सरकारी तालाब में निजी तालाब की खुदाई की गई है। जिसको गम्भीरता से लेते हुए लोकपाल ने राजस्व विभाग के माध्यम से आख्या प्राप्त हल करने का निर्णय लिया।

लोकपाल ने ग्रामीणों की मांग पर भैरवन मन्दिर परिसर के उत्तरी सीमा से तालाब के किनारे से मेला स्थान तक दर्ज चकमार्ग के निर्माण की मांग की। जिस पर उन्होने राजस्व विभाग से उक्त मार्ग चिन्हाकित कराके कार्य कराने को कहां स

'शहर समता विचार मंच (महिला) कानपुर इकाई की अक्टूबर माह की काव्यगोष्ठी सम्पन्न'

कानपुर। शहर समता विचार मंच महिला गोष्ठी कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन में तथा सीमा वर्णिका की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि सुषमा त्रिपाठी रहीं।

यह काव्य गोष्ठी दोपहर 12:30 बजे से 2:00 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही सीमा द्वारा दीप प्रज्वलन और

सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति श्रद्धा श्रीवास्तव द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में पूनम पांडे, पुष्पा सिंह, अर्चना सिंह, सुषमा सिंह उर्मि, डॉ सुषमा त्रिपाठी, शिप्रा सिंह, योगिता सिंह हंसा, सुनीता गुप्ता, श्रद्धा श्रीवास्तव तथा सीमा वर्णिका ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दियें ।अध्यक्षीय सम्बोधन के बाद धन्यवाद ज्ञापन कानपुर इकाई की जिलाध्यक्ष सीमा वर्णिका ने किया ।

मुलायम सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री योगी ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की आज दूसरी पुण्यतिथि है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुलायम सिंह यादव को याद करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि प्रेषित की है। मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा योगी पूर्व रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, 'पद्म विभूषण' मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने समाजवादी पार्टी के संस्थापक व वरिष्ठ राजनेता एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी वरिष्ठ राजनेता एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को याद किया और पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव का 10 अक्टूबर 2022 को गुड़गांव के मेदांता अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। मुलायम सिंह यादव ने भारत के रक्षा मंत्री के रूप में देश की सेवा की है। वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी थे। मुलायम परिवार के 13 लोग सक्रिय राजनीति में हैं। मुलायम परिवार से पांच सदस्य लोकसभ और एक राज्यसभा पहुंचे हैं। कुल 13 लोग राजनीति कर रहे हैं। आज भाजपा, कांग्रेस के बाद मजबूत स्थिति में है। सांसदों की संख्या के मामले में लोकसभा में तीसरे नंबर पर है। राज्य में भी मुख्य विपक्षी दल के रूप में सपा का झंडा बुलंद है। 2024 के लोकसभा चुनाव चुनाव में भी अखिलेश यादव के नेतृत्व में पार्टी ने बड़ी जीत हासिल करके सपा के 37 सांसद सदन तक पहुंचे।

देवीपाटन शक्तिपीठ पहुंचे सीएम योगी, मां पाटेश्वरी का किया दर्शन-पूजन

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बलरामपुर दो दिवसीय दौरे का आज दूसरा दिन है। आज सुबह सीएम योगी देवीपाटन शक्तिपीठ पहुंचे। यहां पर उन्होंने मां पाटेश्वरी के दर्शन–पूजन कर मां का आशीर्वाद लिया। पूजन के बाद आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर का भी भ्रमण करके व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने को बताया कि बलरामपुर के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने बुधवार को समीक्षा बैठक की। उसके बाद उन्होंने मेडिकल कॉलेज व निर्माणाधीन विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया। इसके बाद गोरक्षपीठाध ाीश्वर तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देवीपाटन शक्तिपीठ पहुंचे। प्रवक्ता के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्रि में बृहस्पतिवार की सुबह मां पाटेश्वरी देवी का दर्शन–पूजन किया और सुखी–स्वस्थ व समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना की। पूजन के बाद आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर का भी भ्रमण करके व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। जानकारी के मुताबिक, सीएम योगी मंदिर परिसर में स्थित गौशाला पहुंचकर गायों को हरा चारा तथा गुड़ खिलाया। उन्होंने गायों का प्यार दुलार भी किया। मंदिर परिसर में चल रहे राजकीय मेले का निरीक्षण भी किया।

हाथरस सत्संग हादसा: लखनऊ में न्यायिक आयोग के समक्ष पेश हुए सूरजपाल उर्फ 'भोले बाबा'

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में पिछली दो जुलाई को अपने सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत के मामले में स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ 'भोले बाबा' घटना की जांच कर रहे न्यायिक आयोग के समक्ष बृहस्पतिवार को पेश हुए। हालांकि, नारायण साकार हरि के नाम से भी पहचाने जाने वाले सूरजपाल का नाम हाथरस जिले के सिकंदराराऊ क्षेत्र के फुलराई गांव में दो जुलाई को भगदड़ के बाद दर्ज की गई प्राथमिकी में आरोपी के रूप में शामिल नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन जुलाई को हाथरस त्रासदी की जांच और भगदड़ के पीछे किसी साजिश की संभावना की जांच के लिए एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध यक्षता में तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग गठित किया था। सूरजपाल के वकील ए.पी. सिंह ने संवाददाताओं को बताया,

''न्यायिक आयोग का कार्यालय यहां (लखनऊ) है और आज नारायण साकार हरि (सूरजपाल) को बयान देने के लिए यहां बुलाया गया था।''सिंह ने कहा, ''हमें उत्तर प्रदेश पुलिस, न्यायपालिका, राज्य सरकार और केंद्र पर पूरा भरोसा है। हमारे साथ न्याय होगा।'' उन्होंने कहा, ''हमने वादा किया था कि जब भी कोई जांच पैनल या जांच एजेंसी नारायण साकार हरि को बुलाएगी, तो वह उपस्थित होंगे। उन्हें आज बुलाया गया था, इसलिए वह यहां आए हैं। उनसे जो भी पूछा जाएगा वह उस पर अपना बयान देंगे।'' भगदड़ कांड मामले में पुलिस ने स्वयंभू बाबा सूरजपाल के कार्यक्रम के आयोजन में शामिल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों में से एक मंजू यादव फिलहाल इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश से जमानत पर बाहर है। इस मामले में पंजीकृत प्राथमिकी में सूरजपाल का नाम आरोपी के रूप में दर्ज नहीं है। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 110 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), 126 (2) (गलत तरीके से रोकना), 223 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेश की अवज्ञा) और 238 (साक्ष्य मिटाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र के फुलराई गांव में इसी साल दो जुलाई को सूरजपाल उर्फ भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि के सत्संग के बाद मची भगदड़ में कुल 121 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं थीं। पुलिस समेत सरकारी एजेंसियों ने आयोजकों पर कार्यक्रम में कुप्रबंधन का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आयोजकों ने 80 हजार लोगों के शामिल होने की बात कहकर कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति ली थी मगर वहां ढाई लाख लोगों की भीड़ एकत्र हो गयी। हालांकि, भोले बाबा के वकील ने दावा किया है कि 'कुछ अज्ञात लोगों' द्वारा छिड़के गए 'किसी जहरीले पदार्थ' के कारण भगदड़ मची।

लखीमपुर खीरी में भाजपा विधायक से हाथापाई मामले का पार्टी ने लिया संज्ञान, जारी किया कारण बताओं नोटिस

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के लखीमपुर खीरी सदर विधायक योगेश वर्मा और बार एसोसिएशन अध्यक्ष अवधेश सिंह के बीच हुई मारपीट की घटना का पार्टी ने संज्ञान लिया है। यूपी भाजपा की ओर से पुष्पा सिंह,ज्योति शुक्ला और अवधेश सिंह

को कारण बताओं नोटिस जारी किया है। नोटिस के मुताबिक सभी सदस्य पार्टी कार्यालय में दो दिन के अन्दर में सभी को अपना अष्टीकरण देने का निर्देश जारी किया ऐसा न करने पर उनके खिलाफ पार्टी कार्रवाई करेगी। दअरसल, लखीमपुर खीरी जिले में नगरीय सहकारी बैंक के प्रतिनिधियों के चुनाव में कथित धांधली को लेकर हुई झड़प में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय विध ाायक योगेश वर्मा से हाथापाई की गयी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस मामले पर वर्मा और सहकारी बैंक की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा सिंह के पति वरिष्ठ अधिवक्ता अवधेश सिंह के बीच तीखी झड़प हो गयी और इस दौरान दोनों पक्षों के बीच धक्का–मुक्की भी हुई। इस बीच, घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सिंह पुलिस की मौजूदगी में कथित तौर पर वर्मा को पीटते दिख रहे हैं। हालांकि पुलिसकर्मियों ने फौरन दोनों को एक–दूसरे से अलग कर दिया, लेकिन उसके बाद सिंह के समर्थकों ने भी विधायक की पिटाई कर दी। अपर पुलिस अधीक्षक पवन गौतम ने संवाददाताओं को बताया कि दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था लेकिन अब दोनों को शांत कर दिया गया है और स्थिति सामान्य है। विधायक वर्मा ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उन्हें सूचना मिली थी कि चुनाव के लिये पर्चा लेकर जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं और व्यापार मंडल से जुड़े लोगों का पर्चा फाड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने इस पर ऐतराज जताया तो सिंह ने उनका गिरेबान पकड़ लिया और मारपीट की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि नगरीय सहकारी बैंक का चुनाव निष्पक्ष तरीके से नहीं हो रहा है और इस संबंध में कार्रवाई की जानी चाहिये।

सपा और कांग्रेस का गठबंधन बरकरार रहेगा: अखिलेश यादव

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी और विपक्ष के 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) की सहयोगी कांग्रेस का गठबंधन बरकरार रहेगा। दरअसल, उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। सपा के लिए उम्मीदवार घोषित किये जाने के बाद सपा और कांग्रेस के गठबंध ान के बरकरार रहने को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच अखिलेश का यह बयान महत्वपूर्ण माना जा सकता है। अखिलेश यादव ने इटावा के सैफई में अपने पिता मुलायम सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत की। इस दौरान कांग्रेस से गठबंधन जारी रहने की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, "आज समय नहीं है इस पर चर्चा का। मगर जहां तक इंडिया गठबंधन का सवाल है तो मैं कहना चाहूंगा कि सपा और कांग्रेस का गठबंधन रहेगा।"सपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की पराजय के एक दिन बाद बुधवार को उपचुनाव वाली 10 में से छह सीटों फूलपुर, मझवां, करहल, कटेहरी, मिल्कीपुर और सीसामऊ पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिये। कांग्रेस उनमें से फूलपुर और मझवां सीटों पर दावेदारी कर रही थी। ऐसे में सपा और कांग्रेस के गठबंधन को लेकर तरह–तरह की अटकलें लगायी जा रही थीं। सपा और कांग्रेस ने 'इंडिया' के तहत पिछला लोकसभा चुनाव लड़ा था, जिसमें बेहतर प्रदर्शन करते हुए सपा ने उत्तर प्रदेश में 37 और कांग्रेस ने छह सीटों पर जीत हासिल की थी। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार के बारे में पूछे जाने पर अखिलेश यादव ने कहा, "हरियाणा चुनाव पर चर्चा अभी करना ठीक नहीं है। जब हम मिलेंगे तो चर्चा होगी।"

प्रथम 6 माह में अभी तक का सर्वाधिक कोच उत्पादन

रायबरेली सआधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में वित्तीय वर्ष 2024–25 में अप्रैल 2024 से सितंबर 2024 तक प्रथम 6 माह में कुल 873 कोच का उत्पादन किया जो आरेडिका के अभी तक का प्रथम 6 माह का सर्वाधिक उत्पादन है। इन 873 कोचों में दीनदयालु, स्लीपर और वातानुकूलित शामिल हैं। इस वित्तीय वर्ष दीनदयालु के 122 कोच, 3एसी के 211 कोच, 3एसी इकोनोमी के 210 कोच, 2एसी के 60 कोच, स्लीपर के 85 कोच तथा अन्य कोच शामिल हैं। 2024–25 के प्रथम 6 माह में 3एसी के 211 कोचों का निर्माण किया गया है जो पिछले वर्ष 2023–24 में प्रथम 6 माह में बने 19 कोचों से लगभग 13 गुना अधिक है। पहली बार आरेडिका ने प्रथम 6 माह में अभूतपूर्व वृद्धि कर एक नये चरण में प्रवेश किया है। इससे पूर्व वित्तीय वर्ष 2019–20 में सर्वाधिक 841 कोचों का निर्माण किया गया था जिसको आरेडिका ने इस वित्तीय वर्ष पार कर लिया है। आरेडिका के महाप्रबंधक श्री प्रशांत कुमार मिश्रा ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त किया एवं सभी विभागाध्यक्षों के योगदान की प्रशांसा की। उन्होनें कहा कि यह सभी विभागों के सामूहिक प्रयास से संभव हो पाया है और इसी तरह आगे भी लगन के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बेटियाँ

बेटी मूर्तिमती दुर्गा नौ,
परा शक्ति तनधारी है।
सृष्टि सरस करने को बनती,
प्रतिबन्धों में नारी है।।
क्षमता–शक्ति, नहीं बेटी की–
मापक से नप सकती है।
विधि हरि हर के कर्म–मूल में,
वही प्राण बन बसती है।।
जन्म–क्रिया के द्वारा बेटी,
शिशु बनकर जब आती है। घर–भर का सौभाग्य सुमंगल,
सॅंग अपने वह लाती है।।
बेटी के तन में जो बहती,
परा शक्ति की धारा है। उसने ही तो सकल सृष्टि को,
धारा और सॅंवारा है।।
बेटी वह जो सावित्री बन,
यम का पीछा करती है।
पति को नवजीवन दे यम का,
अटल विधान बदलती है।।
अनुसूया बनकर बेटी जब,
तप का बल दिखलाती है।
तीन देव शिशु बनते जग में,
त्राहि–त्राहि मच जाती है।।
बेटी को कमतर मत ऑंको,
सब कुछ वह कर सकती है। एक हाथ में सृजन अपर में,
ध्वन्स लिए वह चलती है।।काम असम्भव को सम्भव नित,
बेटी करती आई है। सतयुग से कलियुग तक उसकी,
कीर्ति – कौमुदी छाई है।।
शक्ति–शौर्य की मूर्ति बेटियॉं,
खल – सत्ता संहारी हैं।
नहीं वृषभ मूषक पक्षी पर,
करतीं सिंह – सवारी हैं।।
ज्ञान बुद्धि विद्या का कोई,
देव न नर बन पाया है।
मॉं वाणी ने नारी को ही,
यह सौभाग्य दिलाया है।।
बुद्धिवाद नीरस पर अंकुश,
कभी नहीं तब लग पाता। संवेदनमय नारी – जीवन,
भू पर अगर नहीं आता।।
प्रतिभा के सब क्षेत्रों में अब,
कन्या सुत से आगे हैं। उसके कारण धरती के–
सौभाग्य सुप्त सब जागे हैं।।
कन्या–जन्म न होता यदि तो,
संसृति मरघट बन जाती।
भूत – प्रेत – सा नर जीता नहिं,
नरता कभी विकस पाती।।
बेटी वाणी दुर्गा लक्ष्मी–
काली गौरि पराम्बा है।
परम ब्रह्म की वत्सलता धर–
नारी–तन जगदम्बा है।।
वही धारणा शक्ति जगत के,
जीवन का आधार वही।
अमृत बन कर नर–तरुवर को,
वही स्नेह से सींच रही।।
बेटी की उन्नति में जग की,
उन्नति सकल समायी है।
घर में बेटी आयी, समझो–
नौ दुर्गा जी आयी हैं।।

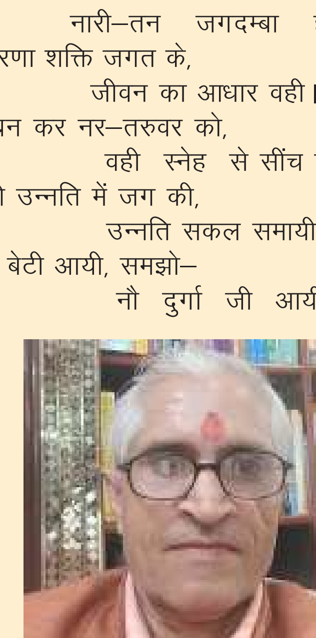

प्रोफेसर मिथिलेश कुमार त्रिपाठी

सम्पादकीय.......

भाजपा की हैट्रिक

तमाम राजनीतिक पंडितों के विश्लेषण व एग्जिट पोल के पूर्वानुमानों को दरकिनार करते हुए भाजपा ने अप्रत्याशित रूप से हरियाणा विधानसभा चुनावों में स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। सतही तौर पर जो माहौल कांग्रेस के पक्ष में नजर आ रहा था, वह वोटों में तब्दील होता नजर नहीं आया। भाजपा के रणनीतिक अभियान ने लगातार दो बार सत्ता में रहने के चलते उपजे जनता के मोहभंग को दूर करने में कामयाबी हासिल कर ली। इतना ही नहीं उसका प्रदर्शन पिछले विधानसभा चुनाव से भी बेहतर रहा और वह अपने बूते सरकार बनाने की स्थिति में आ गई है। दरअसल, हरियाणवी समाज में मुखर अभिव्यक्ति वाली दबंग जाट बिरादरी की एकजुटता व उससे कुछ समुदायों में उपजा असुरक्षाबोध भाजपा के पक्ष में ध्रुवीकरण करने में सहायक बना। जो एक साइलेंट वोटर की तरह इस राजनीतिक इबारत को गढ़ रहा था, जिसकी मंशा को राजनीतिक पंडित, मीडिया और एग्जिट पोल करने वाले भी नहीं पढ़ पाए। वहीं दूसरी ओर इस विधानसभा चुनाव में उन दलित मतदाताओं का विश्वास कांग्रेस हासिल नहीं कर पायी, जिन्होंने उसे लोकसभा चुनाव में भरपूर वोट दिए थे। निस्संदेह, हरियाणा में भाजपा को मजबूत संगठन का लाभ बोनस के रूप में मिला। वहीं दूसरी ओर भाजपा की मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ लोकसभा चुनाव के दौरान जो खटास देखी जा रही थी, उसे इस विधानसभा चुनाव के आते–आते भाजपा दूर करने में कामयाब रही, जिसका प्रत्यक्ष लाभ भाजपा को माइक्रो मैनेजमेंट में सीधी तौर पर मिला। वहीं भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने राज्य में कांग्रेस को मिल रहे शुरुआती लाभ को पढ़कर, उसकी काट में एक केंद्रित व प्रभावी अभियाना चलाया। भाजपा ने किसान, जवान व पहलवान के मुद्दे पर उपजे आक्रोश को न केवल दूर करने का प्रयास किया बल्कि अपने समर्थन के आधार को भी बढ़ाया। विशेषकर यह कोशिश गैर जाट समुदायों में एकजुटता के प्रयासों के रूप में सामने आई। वहीं संगठन के स्तर पर भाजपा की जो बढ़त रही, उसका मुकाबला कांग्रेस का लचर सांगठनिक ढांचा नहीं कर पाया।कह सकते हैं कि लोकसभा चुनाव से पहले ही भाजपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव की तैयारी कर ली थी। यही वजह थी कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने करीब–करीब दो पारियों में मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल खट्टर को हटाकर उनकी जगह नायब सिंह सैनी की ताजपोशी कर दी थी। मकसद यही था कि लगातार दो दशक तक सत्ता में रहने के चलते उपजे सत्ता विरोधी रुझान को टाला जा सके। कमोबेश यह कोशिश रंग लायी। सैनी की सहजता–सरलता और उनका ओबीसी वर्ग से होने का लाभ गैर जाट समुदायों की एकजुटता के रूप में भी मिला। इसके विपरीत कांग्रेस में भूपेंद्र हुड्डा जैसा दिग्गज नेता तो था,लेकिन भाजपा के मुकाबले का सांगठनिक ढांचा नहीं था। वहीं दूसरी ओर पार्टी संगठन में मतभेद व मनभेद भी गाहे–बगाहे उजागर होते रहे। चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद की दावेदारी के सुर भी उभरे। टिकट बंटवारे में केंद्रीय नेतृत्व, हुड्डा गुट व शैलजा गुट की प्राथमिकताओं ने कई तरह की विसंगतियां पैदा की। आप से सीटों के बंटवारे पर सहमति न बन पाने की वजह से आप को तो लाभ नहीं हुआ, लेकिन कांग्रेस के मतों का कुछ विभाजन जरूर हुआ। इस चुनाव में हरियाणा में नई संभावना के रूप में देखी जा रही जेजेपी व बसपा तथा चंद्रशेखर आजाद रावण की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) का हश्र भी सामने आया। जाहिर है इनका प्रभाव भी कांग्रेस के दलित जनाधार पर जरूर हुआ। इनेलो व निर्दलीयों को कुछ सीटें जरूर मिली, लेकिन वे भाजपा को अपने बूते सरकार बनाने के मार्ग में बाधा नहीं बन सकी। बहरहाल, भाजपा की इस जीत का एक निष्कर्ष यह भी है कि कुशल चुनाव प्रबंधन के जरिये राष्ट्रीय पार्टियां कारगर रणनीति बनाकर कैसे खुद को स्थानीय राजनीतिक माहौल के अनुरूप ढाल सकती हैं। वहीं जम्मू–कश्मीर में लोकतंत्र अपनी खूबसूरती के साथ फिर मजबूत हुआ है। अनुच्छेद 370 खत्म होने के उपरांत एक दशक बाद हुए चुनाव में नेशनल कान्फ्रेंस व कांग्रेस गठबंधन को सरकार बनाने का मौका मिला है। भाजपा के लिए यह उत्साह की बात है कि उसके द्वारा राज्य में हासिल मत प्रतिशत सर्वाधिक है।

लद्दाख से उठी हिमालय की आवाज

कुलभूषण उपमन्यु

हम पानी का एक कतरा, हवा का एक वास, मिट्टी का एक ढेला, प्रकृति के तत्वों का प्रयोग किए बिना बना नहीं सकते। जिन्दा रहने के लिए हवा, पानी और भोजन ही सबसे बुनियादी जरूरतें हैं।

लद्दाख से एक सितंबर को शुरु हुई 1000 किमी. की पैदल और यदा–कदा वाहन यात्रा करके दिल्ली की सीमा पर पहुंचे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को उनके 150 साथियों के साथ हिरासत में ले लिया गया है। लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग के साथ सोनम वांगचुक ने लद्दाख से यह यात्रा शुरू की थी। उन्हें एक अक्टूबर को राजधानी के सिंघु बार्डर से हिरासत में लिया गया। पुलिस का कहना है कि शहर में निषेधाज्ञा लागू होने के कारण सोनम और उनके साथियों को रोका गया, लेकिन जब वे नहीं रुके तो उन्हें हिरासत में ले लिया गया। सोनम जी के नेतृत्व में यह टोली हिमालय के दर्द बांटते हुए उसके संरक्षण का संदेश लेकर 2 अक्टूबर, शगांधी जयन्तीश के दिन दिल्ली के राजघाट (गांधी समाधि) पंहुचने की उम्मीद रखते थे। बरसों से पदयात्रा भारत में जनहित, आध्यात्मिक संदेश पंहुचाने और समाज को जगाने का सशक्त माध्यम रहा है। सोनम जी की यात्रा को मार्ग में जगह–जगह मिला समर्थन साबित कर रहा है कि पदयात्रा आज भी शुद्ध जनहित और आध्यात्मिक संदेश फैलाने का सशक्त माध्यम है, जिसकी प्रासंगिकता असंदिग्ध है, बशर्ते यात्रा का लक्ष्य स्वार्थ–जनित न हो। हिमाचल और गढ़वाल की शहिमालय बचाओ संपर्क वाहन यात्रा के दौरान भी सवाल उठे थे कि जब हिमालय तुम्हें बचा रहा है तो तुम हिमालय को बचाने वाले कौन होते हो, तो जवाब होता था कि हिमालय की हमें बचाने की शक्ति हमारी गलत विकास की गतिविधियों और हमारे लालच के कारण अति–दोहन के चलते नष्ट हो रही है। हिमालय को बचाने का अर्थ है, हिमालय की वायु को शुद्ध करने की शक्ति, जल–संरक्षण की शक्ति, जलवायु नियंत्रण की शक्ति, जैव–विविधता द्वारा देश की सेवा करने की शक्ति, थके–हारे मानस को शांति प्रदान करने की शक्ति, सदानीरा नदी–तन्त्र द्वारा सेवा करने की शक्ति को लालच के लिए नुकसान पहुंचाने से बचाना और नुकसान पहुंचाने वालों को रोकना ही हिमालय को बचाना है। हिमालय के जो प्राकृतिक और सांस्कृतिक अवदान हैं उनको बचाना सोनम वांगचुक और उनके साथियों की इस यात्रा का मूल उद्देश्य है। हिमालय सांस्कृतिक विविधता का भी भंडार है। किसी भी समाज के दीर्घकालिक हित के लिए सांस्कृतिक विविधता बहुत आवश्यक तत्व है। हिमालय में यदि बर्फ न रहे तो हिमालय का क्या अर्थ रह जाएगा। किसी भी पारिस्थितिकी तंत्र में वहां के समाजों का होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मनुष्य समाज और प्रकृति–तन्त्र का संतुलित रिश्ता ही पारिस्थितिकीय संतुलन का आधार है। हमारा आज का विकास का मॉडल इस तत्व की अनदेखी कर रहा है। हम सोचने लगे हैं कि सभी समस्याओं के समाधान इंजीनियरिंग और तकनीकी से मिल सकते हैं, किन्तु ऐसा है नहीं। हम पानी का एक कतरा, हवा का एक वास, मिट्टी का एक ढेला, प्रकृति के तत्वों का प्रयोग किए बिना बना नहीं सकते। जिन्दा रहने के लिए हवा, पानी और भोजन ही सबसे बुनियादी जरूरतें हैं। हमारा विकास इन्हीं पर आघात कर रहा है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जिससे नदियों के अस्तित्व पर खतरा आ गया है। वे मौसमी होकर रह जाएंगी। मिट्टी हमारी रासायनिक खेती की पद्धति द्वारा जहरीली होती जा रही है, वही जहर हमारे खाद्य पदार्थों में पहुंच रहे हैं। हवा को सभ्यता का धुआं जहरीला कर रहा है तो संकट जिन्दा रहने पर आने वाला है। सबसे संवेदनशील परिस्थिति–तन्त्र होने के नाते हिमालय पर होने वाले दुष्प्रभाव अधिक घातक होंगे और पूरे देश को प्रभावित करेंगे।लोग अब इन मुद्दों को समझने लगे हैं इसीलिए लद्दाख की आवाज को हिमाचल और उत्तराखंड में इतना समर्थन मिल रहा है। असल में यह आवाज पूरे हिमालय की है। मुख्यधारा के विकास मॉडल से यहां जो परिस्थिति–तंत्र को नुक्सान हो रहा है उसकी और अधिक अनदेखी पूरे देश के लिए घातक सिद्ध होगी। हिमालय बचा रहेगा तो पूरा देश बचा रहेगा। हिमालय के लोगों की विकास की जरूरतों को पूरा करने के लिए हमें वैकल्पिक विकास के मॉडल पर काम करना पड़ेगा। इसके लिए स्थानीय समाजों की समझ का उपयोग करना जरूरी है। इसके लिए लद्दाख के लोगों की चुनी हुई सरकार की मांग तर्क–सम्मत है, इसे माना जाना चाहिए। इसी दृष्टि से लद्दाख को संविधान की श्छठी अनुसूचीश में डालने की मांग है। इस अनुसूची में डाले जाने से प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने में स्थानीय समाजों की भूमिका सशक्त होगी और सरकार को भी संसाधनों के तर्कपूर्ण दोहन के लिए व्यवस्था बनाने में आसानी होगी। कई दशकों से हिमालय में वैकल्पिक विकास का मॉडल अपनाने की मांग हो रही है। योजना आयोग के समय से ही यह मुद्दा उठता रहा है, किन्तु कोई परिणाम नहीं निकला है। लोगों को छिटपुट संघर्षों के कारण कहीं अपनी बात मनवाने में सफलता मिली भी है, किन्तु असली समाधान तो वैज्ञानिक समझ से हिमालय की संवेदनशील पारिस्थितिकी के अनुरूप विकास मॉडल लागू करने से ही होगा। इसके लिए पांचवीं और छठी अनुसूची कुछ संरक्षण तो दे ही सकेंगी। तो क्यों न ट्रांस–हिमालय को श्छठी अनुसूचीश और शेष हिमालय को श्पांचवीं अनुसूची में डालकर हिमालय को मुख्यधारा के विकास की विनाशकारी दौड़ से बचाया जाए। जो मैदानी इलाकों के लिए ठीक है, वह हिमालय के लिए भी ठीक हो, यह जरूरी नहीं है। यह काम वैज्ञानिक समझ से हल किया जाना चाहिए, इसमें दलगत राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं दिया जा सकता।

युद्ध विराम के लिए इजरायल और अमेरिका पर भारी दबाव डाला जाना चाहिए

नित्य चक्रवर्ती

7 अक्टूबर, 2024 को इजरायल–फिलिस्तीन युद्ध का एक साल पूरा हो गया। यह युद्ध उग्रवादी फिलिस्तीनी समूह हमास द्वारा इजरायल के नागरिकों पर क्रूर हमले और उसके जवाब में इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) द्वारा अधिक गंभीर प्रतिशोध और गाजा क्षेत्र के पूर्ण कब्जे के साथ शुरू हुआ था। इसके बाद के महीनों में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सेनाओं द्वारा फिलिस्तीन में बड़ी संख्या में जनसंहार किया गया। इसमें अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों द्वारा उच्च तकनीक वाले हथियारों और उपकरणों की सक्रिय सहायता भी शामिल थी। युद्ध के दूसरे वर्ष की शुरुआत के साथ ही परिदृश्य गंभीर हो गया है। फिलिस्तीन और कब्जे वाले गाजा में अपना काम पूरा करने के बाद, इजरायली सेना ने युद्ध क्षेत्र का विस्तार लेबनान, सीरिया और ईरान तक कर दिया है, जिससे फिलिस्तीनियों के साथ शुरुआती युद्ध पश्चिम एशियाई क्षेत्र में एक बहुत बड़े युद्ध में बदल गया है, जिसे अगर अभी नहीं रोका गया, तो यह एक बहुत बड़े युद्ध में बदल सकता है, जिससे जान–माल का भारी नुकसान हो सकता है। पिछले साल 7 अक्टूबर को, कुछ रक्षा कर्मियों सहित 1100 से अधिक इजरायली नागरिक मारे गये थे। तब से हमास के हाथों कई और इजरायली नागरिक और कुछ सैनिक मारे गये हैं, लेकिन इजरायल के जवाबी हमलों में 48,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गये हैं, जिनमें से 90 प्रतिशत नागरिक हैं, खासकर महिलाएं और बच्चे। संयुक्त राष्ट्र महासभा और अन्य निकायों ने नरसंहार और विनाश को रोकने के लिए इजरायल से तत्काल युद्ध विराम पर सहमत होने के लिए कई प्रस्तावों को अपनाया, लेकिन आईडीएफ ने इसकी परवाह नहीं की क्योंकि उन्हें अमेरिकी सरकार का पूरा समर्थन प्राप्त है, जो शांति वार्ता की बात करने के बावजूद, लेबनान के खिलाफ इजरायली हमलों और शीर्ष हिजबुल्लाह नेता की हत्या का बचाव करते हुए इजरायल के पक्ष में रुख अपना रही है। संयुक्त राष्ट्र में, अमेरिका लगातार युद्धविराम प्रस्तावों का विरोध कर रहा है, जबकि अन्य सदस्यों द्वारा उसे प्रस्ताव को भारी समर्थन दिया जा रहा है। हमेशा की तरह, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी इजरायल को नियंत्रित करने में असमर्थ हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने तो यहां तक धमकी दे दी है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव को उनके देश में आने की अनुमति नहीं दी जायेगी। इजरायल ने अंतरराष्ट्रीय अपराध परिषद (आईसीसी)के आदेश की अवहेलना की है, जिसमें इजरायल से यथाशीघ्र शत्रुता समाप्त करने को कहा गया था। इसका पालन करने के बजाय, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उनकी सेना लेबनान और यदि आवश्यक हुआ तो अन्य देशों, अर्थात् ईरान और सीरिया पर भी हमला करेगी। इजरायल के खिलाफ ईरान के जवाबी हमलों के बाद, ईरान पर योजनाबद्ध हमलों पर चर्चा करने के लिए अमेरिकी केंद्रीय कमान के प्रमुख तेल अवीव में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने नेतन्याहू को परमाणु सुविधाओं को छोड़कर ईरान में हमला करने के लिए हरी झंडी दे दी है। एक वरिष्ठ आईडीएफ कमांडर ने कहा है कि यदि हिजबुल्लाह आतंकवादी बेरूत से काम करते हैं, तो आईडीएफ लेबनान को पश्चिम एशिया के मानचित्र से मिटा देगा। तो फिर आगे क्या होगा? उम्मीद है कि राष्ट्रपति चुनाव वर्ष में अमेरिका इजरायल का समर्थन करना जारी रखेगा। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के पक्ष में मुस्लिम देशों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने नेतन्याहू से ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करने को कहा है। ट्रंप चुनाव के दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी के मजबूत यहूदी आधार को अपने पक्ष में करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस को चुनाव प्रचार सभाओं में यह कहना पड़ता है कि वह इजरायल का समर्थन करती हैं, हालांकि वह इस शर्त के साथ बोलती हैं कि युद्धविराम के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए। प्रधानमंत्री नेतन्याहू डेमोक्रेटिक पार्टी की इस चुनावी मजबूरी को जानते हैं। इसके अलावा अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनीब्लिंकन भी यहूदी हैं और वह हमास और हिजबुल्लाह के प्रति अपनी नफरत को कभी नहीं छिपाते। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ईरान के साथ अच्छे संबंध हैं। वह ईरानी राष्ट्रपति के संपर्क में हैं। रूस ने ईरान और हमास के उग्रवादियों को गुप्त रूप से कुछ सहायता दी है, लेकिन यूक्रेन युद्ध के दबाव को देखते हुए पुतिन राजनयिक संबंधों को छोड़कर पश्चिम एशियाई युद्ध में कोई प्रत्यक्ष भागीदारी नहीं चाहते हैं। हालांकि, चीन अब अरब देशों के साथ बातचीत करने में सक्रिय है। चीन पश्चिम एशिया में अपनी भूमिका का विस्तार करने में रुचि रखता है, लेकिन संयम के साथ। चीन 5 नवंबर के बाद वाशिंगटन में नयी सरकार की स्थापना और नये अमेरिकी प्रशासन के तहत उसके रिश्ते कैसे बनते हैं, इस पर विचार कर रहा है। पश्चिमी शक्तियों के संदर्भ में, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने इजरायल को हथियारों की आपूर्ति के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध का सामना करते हुए पिछले महीने तेल अवीव को कुछ महत्वपूर्ण शिपमेंट पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया, लेकिन यह बहुत सीमित है। इसी तरह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने शिपमेंट पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है और इस पर नेतन्याहू ने तत्काल विरोध जताया। जर्मनी आपूर्ति जारी रख रहा है, लेकिन उसने इसे कम कर दिया है। लेकिन इजरायल के पास अपने स्वयं के पर्याप्त उच्च तकनीक वाले हथियार हैं और केवल अमेरिकी आपूर्ति ही उसकी आवश्यकताओं का ख्याल रख सकती है। वह अमेरिकी आपूर्ति सुनिश्चित करना चाहता है जो बहुत बड़ी है। भारत के संदर्भ में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधी, टैगोर और बुद्ध के इस राष्ट्र की छवि को धूमिल कर दिया है इजरायल का हमेशा समर्थन करते हैं। कई मौकों पर भारत ने युद्धविराम के लिए प्रस्ताव से खुद को अलग रखा। जबकि वैश्विक दक्षिण के सभी सदस्य, खास तौर पर ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका इजरायल पर फिलिस्तीन और लेबनान में नरसंहार का आरोप लगाने में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं, मोदी हमेशा अपने मित्र नेतन्याहू की आलोचना करने में डरते रहे हैं। लेबनान पर इजरायल द्वारा किये गये क्रूर हमलों के बाद भी प्रधानमंत्री ने नेतन्याहू से फोन पर बात की और इजरायल का जिक्र किये बिना कहा कि आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं हैय। यह भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा इजरायल की बर्बरता का तुष्टिकरण करने के अलावा और कुछ नहीं है। पिछले सप्ताह के अंत में लंदन, पेरिस, बर्लिन, न्यूयॉर्क और वाशिंगटन सहित विभिन्न पश्चिमी राजधानियों में हजारों लोगों ने इजरायल को अमेरिकी समर्थन की निंदा की और विनाश को रोकने के लिए तत्काल युद्धविराम की मांग करते हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किये। आने वाले दिनों में इस विरोध आंदोलन को और अधिक बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाना होगा। बाइडेन सरकार पर दबाव बढ़ाना चाहिए ताकि वह नेतन्याहू को युद्धविराम के लिए राजी करे। अब यही एकमात्र विकल्प है।

हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के चौंकाने वाले नतीजे

हरियाणा और जम्मू–कश्मीर दोनों राज्यों में क्या भाजपा सत्ता हासिल कर पाएगी या कांग्रेस उसे मात दे देगी, ये सवाल लंबे वक्त से सत्ता के गलियारों में तैर रहा था। दोनों ही राज्यों में भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी, क्योंकि हरियाणा में पिछले 10 बरसों से भाजपा का शासन रहा और वहीं जम्मू–कश्मीर में पूरे दस साल बाद चुनाव करवाए गए। इस बीच 5 अगस्त 2019 को जब भाजपा ने अचानक यह ऐलान किया कि जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 और धारा 35 ए वापस लिया जा रहा है और इसके साथ ही उसे दो हिस्सों में बांटकर जम्मू–कश्मीर और लद्दाख को दो केंद्र शासित प्रदेशों में तब्दील किया जा रहा है, तब पूरा देश स्तब्ध रह गया था। इसे जम्मू–कश्मीर के लोगों के साथ आजादी के बाद किए गए वादे को तोड़ने की तरह देखा गया। लेकिन भाजपा ने राष्ट्रवाद की आड़ में यह वादाखिलाफी की और दावा किया कि उसके इस फैसले में जनता की भी मर्जी है। हालांकि अब जो नतीजे सामने आए हैं, उनसे पता चलता है कि न जम्मू, न कश्मीर की जनता को भाजपा का फैसला मंजूर था। आठ अक्टूबर, मंगलवार को आए नतीजों के विश्लेषण अब लंबे वक्त तक चलेंगे और जानकार तरह–तरह से इनके अर्थ तलाशने की कोशिश करेंगे। लेकिन नतीजों को देखकर यह कहा जा सकता है कि इस बार कांग्रेस भाजपा पर भारी पड़ गई। हालांकि दो राज्यों में एक में जीत और एक में हार का विश्लेषण तो यही होता है कि मुकाबला बराबरी पर छूटा है। जम्मू–कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस के गठबंधन को जीत मिली तो भाजपा को हरियाणा में तीसरी बार सत्ता में आने का मौका मिला है। हरियाणा में भी शुरुआती रुझान कांग्रेस के पक्ष में ही थे और कांग्रेस अब भी यही मान रही है कि ईवीएम के जरिए कोई खेल हुआ है, जिस वजह से जीती हुई बाजी हाथ से निकल गई है। मतगणना होने के दौरान ही कल एक प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस ने यह आरोप लगाया है कि यह तंत्र की जीत है, यानी मशीनरी के कारण भाजपा जीती है। कांग्रेस का कहना है कि जिन ईवीएम में 99 प्रतिशत चार्जिंग थी, उनमें बीजेपी को जीत मिली, और जिनमें 70 प्रतिशत चार्जिंग थी यानी जो मशीनें सामान्य तरीके से चल रही थीं, उनमें कांग्रेस जीती। कांग्रेस ने हरियाणा में हुई इस

संभावित गड़बड़ी की शिकायत बाकायदा चुनाव आयोग से भी की है। अब देखना होगा कि चुनाव आयोग आगे इस पर कोई संज्ञान लेकर कार्रवाई करता है या सब कुछ ठीक है, का रटा रटाया जवाब देता है। वैसे दिलचस्प बात यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुछ दिन पहले कहा था कि सब इंतजाम हो गया है और भाजपा जीत रही है। इसी से गड़बड़ी के इशारे मिल रहे थे कि नायब सिंह सैनी को कौन से इंतजाम करने का जिम्मा दिया गया था, क्योंकि चुनाव करवाना तो चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। बहरहाल, अब जो नतीजे हैं, उन्हें स्वीकार करना ही होगा। भाजपा ने हरियाणा की सत्ता फिर से हासिल कर ली, तो कहीं न कहीं इसका श्रेय उसकी चुनावी और सांगठनिक क्षमता को भी दिया जाना चाहिए। छह महीने पहले मुख्यमंत्री बदलने का फैसला हो या कांग्रेस के खिलाफ बी, सी, डी टीमों को खड़ा करना सबका असर सामने है। हालांकि जिस तरह चुनाव प्रचार खत्म होने के दो–तीन दिन पहले ही प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह हरियाणा से रुखसत हो चले थे, उसके बाद कयास लगने शुरु हो गए थे कि क्या इन दोनों को जान बूझकर प्रचार से दूर रखा जा रहा है ताकि हारे तो ठीकरा दूसरों के सिर फूटे या इसमें भी भाजपा की कोई रणनीति है। बहरहाल, कारण जो भी हो, अब जब हरियाणा में भाजपा जीत गई है तो प्रधानमंत्री मोदी फिर जनता के सामने श्रेय लेने के लिए हाजिर हो चुके हैं। अब कांग्रेस को आत्ममंथन की जरूरत है कि क्यों राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, उत्तराखंड की तरह हरियाणा की जीती बाजी भी उसने गंवा दी। कार्यकर्ता तो उत्साहित थे कि राहुल–प्रियंका ने यहां पूरा जोर लगा दिया, लेकिन कार्यकर्ताओं के ऊपर जो अलग–अलग क्षत्रप कांग्रेस में बैठे हैं, अब उनकी जिम्मेदारी तय करते हुए अगर कांग्रेस आलाकमान ने कड़े कदम नहीं उठाए तो अभी कार्यकर्ताओं में जितना उत्साह बचा है, वो भी खत्म हो जाएगा। वैसे हरियाणा में भाजपा सत्ता में आने के बाद भी पूरी तरह जीती हुई इसलिए नहीं कही जा सकती कि यहां विनेश फोगाट को जीत मिली है। विनेश की जीत में हरियाणा के संघर्ष और नाइंसाफी का जवाब देने की जीत की झलक दिखाई दे रही है। सैनी केबिनेट के आधे से अधिक मंत्रियों की हार भी यह बता रही है कि जनता ने भाजपा के काम पर तो मुहर नहीं लगाई है, कोई और वजह है जो भाजपा की जीत का कारण बनी। उधर जम्मू–कश्मीर में जो नतीजे आए हैं, उसे भाजपा की केवल राज्य स्तर पर नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी हार कही जानी चाहिए। क्योंकि 370 और 35 ए खत्म करने का ढिंढोरा भाजपा ने पूरे देश में पीटा, दस साल लगा दिए चुनाव करवाने में और यहां भी पूरी कोशिश की कि किसी तरह निर्दलियों या बी, सी टीमों के जरिए जीत हासिल की जाए। घाटी में कम प्रत्याशियों को उतारने का दांव भाजपा ने चला था, अमित शाह ने यहां ईद और मुहर्रम पर मुफ्त सिलेंडर देने की बात कही, कांग्रेस और एनसी गठबंधन पर सवाल उठाए। उन्हें पाक परस्त, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला बताया लेकिन जम्मू–कश्मीर की जनता ने अपना जवाब भाजपा को देकर बता दिया कि 2019 में उसने जो खेल करने की कोशिश की, उसके नियम जनता ने खारिज कर दिए हैं। इन चुनावों से एक और बात सामने आई है कि भाजपा का साथ देने वाली पार्टियों को अब अपने भविष्य की चिंता करनी चाहिए। क्योंकि हरियाणा में जेजेपी और जम्मू–कश्मीर में पीडीपी साफ हो गई है। एक वक्त में इन दोनों के साथ मिलकर भाजपा ने सरकारों का गठन किया था। महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड में भी बीजेपी का साथ जदयू, लोजपा, शिवसेना शिंदे, अजित पवार एनसीपी दे रहे हैं, अब इन दलों को सोचना है कि वो अपने भविष्य और अस्तित्व को बीजेपी से कैसे बचाएं। इन चुनावी नतीजों ने बता दिया है कि न भाजपा हमेशा जीतेगी, न कांग्रेस हमेशा हारेगी, अभी दोनों मैदान में हैं और बहुत सा खेल होना बाकी है।

कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी स्टारर भूल भुलैया 3 का मच अवेटेड ट्रेलर हुआ रिलीज! हॉरर और कॉमेडी का है जबदस्त मेल

> "कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी स्टारर भूल-भुलैया 3 का मच अवेटेड ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है, जिससे हर तरफ मौजूद फैंस के बीच एक्साइटमेंट को लहर दौड़ गई है। अनीस बज़्मी द्वारा डायरेक्टेड और भूषण कुमार द्वारा शुरु की गई, इस सीरीज का यह लेटेस्ट पार्ट इस दिवाली हॉरर और कॉमेडी का एक कभी न भूलने वाला मिश्रण पेश करने का वादा करता नजर आ रहा है।

कार्तिक आर्यन हिट फिल्म भूल भुलैया 2 से रूह बाबा के रूप में वापसी कर रहे हैं। इस नई फिल्म में वह तृप्ति डिमरी, ओरिजनल मंजुलिका, विद्या बालन और उनकी साथी, माधुरी दीक्षित के साथ नजर आएंगे। अनीस बज़्मी द्वारा डायरेक्टेड इस प्रोजेक्ट को भूषण कुमार द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी स्टारर भूल–भुलैया 3 का मच अवेटेड ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है, जिससे हर तरफ मौजूद फैंस के बीच एक्साइटमेंट को लहर दौड़ गई है। अनीस बज़्मी द्वारा डायरेक्टेड और भूषण कुमार द्वारा शुरू की गई, इस सीरीज का यह लेटेस्ट पार्ट इस दिवाली हॉरर और कॉमेडी का एक कभी न भूलने वाला मिश्रण पेश करने का वादा करता नजर आ रहा है। ट्रेलर में कार्तिक आर्यन को रूह बाबा के रूप में वापस आते हुए दिखाया गया है, जो अपने मजेदार पर्सनालिटी और कॉमेडी के लिए पसंद किया जाने वाला किरदार है। फिल्म में एक्टर के साथ विद्या बालन भी हैं, जिन्होंने पहली फिल्म में मशहूर मंजुलिका का किरदार निभाया था। विद्या बालन द्वारा निभाए गए रहस्यमयी आत्मा के किरदार ने कई लोगों को डरा दिया था। लेकिन इस बार, इस फ्रैंचाइज ने और भी ज़्यादा ट्विस्ट और रोमांचक पलों के साथ चीजों को और आगे बढ़ाया है, जो फिल्म की कहानी को आकार देते हैं।

ट्रेलर में रूह बाबा और मंजुलिका के बीच होने वाली भिड़ंत की झलक दिखाई गई है, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। स्मार्ट राइटिंग, कमाल के विजुअल्स और एक दिलचस्प कहानी के साथ, भूल भुलैया 3 का ऐम दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचना और इस दिवाली को यादगार बनाना है। रूह बाबा के मजेदार कारनामे और मंजुलिका की डरावनी छाया एक रोमांचक फिल्म का अनुभव देने का माहौल बना रही हैं।भूल भुलैया भारत की सबसे मशहूर हॉरर–कॉमेडी फ्रेंचाइजी में से एक है। इसने हमेशा दर्शकों का भरपूर एंटरटेनमेंट करने के साथ उनके दिलों पर राज किया है। भूल–भुलैया 2 एक बड़ी सफलता थी। इसे महामारी के बाद के शुरुआती समय में रिलीज किया गया था और इसे देखने के लिए लंबे समय के बाद बड़ी भीड़ सिनेमाघरों में वापस आते हुए देखी गई थी। फिल्म ने न सिर्फ लगभग ҕ266 करोड़ की कमाई के साथ रिकॉर्ड बनाया था, बल्कि 2022 की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म भी बन गई थी। इसके अलावा, भूल भुलैया 3 में जबरदस्त कास्ट हैं। इसमें कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी नजर आने वाली हैं। जबकि, सपोर्टिंग कास्ट में विजय राज, राजपाल यादव, संजय मिश्रा, अश्विनी कालसेकर और कई अन्य का नाम शामिल है। कहना गलत नहीं होगा की यह सपोर्टिंग कास्ट इस हॉरर–कॉमेडी में एक खास आकर्षण लाता है।ट्रेलर से पता चलता है कि भूल भुलैया 3 अपने मशहूर गाने के साथ वापस आ गई है और देखने में मजेदार होने का वादा करती है। फिल्म में एक स्ट्रांग म्यूजिकल स्कोर है, जिस पर ध्यान देना एक खास हिस्सा होगा। अपने कैलेंडर पर निशान लगा लें, क्योंकि भूल भुलैया 3 इस दिवाली 1 नवंबर, 2024 को ग्रैंड रिलीज के लिए तैयार है।

बर्थडे स्पेशलः खूबसूरती की मलिका हैं रकुल प्रीत सिंह, फैंस के दिलों पर करती हैं राज

साल 2013 में बनी फिल्म यारियां से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली रकुल प्रीत सिंह को भला कौन नहीं जानता, ये एक्ट्रेस अपने फैंस के दिलों पर राज करती है। अपनी कमाल की अदाकारी, एक्टिंग और खूबसूरती की वजह से रकुल काफी फेमस हैं। कुछ महीने पहले ही उन्होंने निर्माता और एक्टर जैकी भगनानी से शादी की है। वो करीब 10 साल से हिंदी और साउथ सिनेमा में एक्टिव हैं और 10 अक्टूबर को अपना 34वां जन्मदिन मनाएंगी। बॉलीवुड इंडस्ट्री में भाई–भतीजावाद के मुद्दे को लेकर खुलकर बात करना हो या अपना विजन सबके सामने रखना, हर बार रकुल बेबाकी से अपनी बात रखती दिखीं। बीते साल अटैक, छत्रीवाली, थैंक्यू और डॉक्टर जी जैसी फिल्मों में रकुल ने अपनी शानदार अदाकारी से हर किसी का दिल जीता। अपने छोटे से करियर में रकुल प्रीत सिंह अक्षय कुमार, अजय देवगन जैसे कई बड़े स्टार्स के साथ काम कर चुकी हैं। हालांकि, यहां तक का सफर तय करना उनके लिए आसान नहीं रहा। रकुल का जन्म 10 अक्टूबर 1990 को पंजाबी फैमिली में दिल्ली में हुआ। उनके पिता आर्मी ऑफिसर थे। रकुल की स्कूलिंग आर्मी पब्लिक स्कूल, धौला कुआं हुई। ऑडिशन के लिए लंबी–लंबी लाइनों में लगने, कई रिजेक्शन झेलने के बाद वो इस मुकाम तक पहुंची हैं। अपने सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने 18 साल की उम्र में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। धीरे–धीरे उन्होंने अपनी पहचान बनाई और आज वो अपने हुनर के दम पर सिनेमा जगत में एक बड़ा मुकाम हासिल कर चुकी हैं। उनकी पर्सनल लाइफ की बात करें तो एक्ट्रेस ने एक्टर और फिल्ममेकर जैकी भगनानी संग शादी की है। रकुल और जैकी की शादी गोवा में बहुत ही धूमधाम के साथ हुई थी। इसमें कई बड़े सितारे शामिल हुए थे। दोनों की शादी की तस्वीरें भी खूब वायरल हुई थीं।

वन हंड्रेड इयर्स ऑफ सॉलिट्यूड का नेटफ्लिक्स पर 11 दिसंबर से होगा प्रीमियर

वन हंड्रेड इयर्स ऑफ सॉलिट्यूड सीरीज लौरा मोरा और एलेक्स गार्सिया लोपेज के निर्देशन में बना है और इसे लैटिन अमेरिका के इतिहास में सबसे महत्वाकांक्षी ऑडियोविजुअल प्रोजेक्टों में से एक माना जा रहा है। इसे पूरी तरह से कोलंबिया में फिल्माया गया है, जिसमें नोबेल पुरस्कार विजेता के परिवार का भी समर्थन शामिल है। इस आगामी सीरियल के बारे में बात करते हुए, निर्देशक लौरा मोरा ने कहा, "एक फिल्मकार और कोलंबियाई के रूप में, वन हंड्रेड इयर्स ऑफ सॉलिट्यूड जैसे जटिल और जिम्मेदार परियोजना पर काम करना मेरे लिए एक सम्मान और एक बड़ा चुनौती रहा है। हम हमेशा यह समझने की कोशिश करते रहे हैं कि साहित्यिक और ऑडियोविजुअल भाषाओं के बीच क्या अंतर है, और हमने उन छवियों का निर्माण किया है जो इस कार्य की सुंदरता, कविता और गहराई को प्रदर्शित करती हैं, जिसने दुनिया को प्रभावित किया है। हमने इसे उपन्यास के प्रति प्रेम और सम्मान के साथ बनाया है, और हमारे पास एक असाधारण तकनीकी और मानव टीम का समर्थन रहा है।"को–निर्देशक एलेक्स गार्सिया लोपेज ने कहा, "इस परियोजना का निर्देशन करना एक चुनौती और रोमांच दोनों रहा है। जीवन में, जोखिम लेना आवश्यक है ताकि हम जो करते हैं उसमें अर्थ आ सके। 'One Hundred Years of Solitude' के अनुकूलन में, मेरा इरादा एक ऐसी वास्तविकता तैयार करना था जो अंतरराष्ट्रीय स्तर की उत्पादन की शान को बर्दाश्त करे, क्योंकि यह कहानी ऐसा करने की हकदार है।"यह सीरीज न केवल मारकेज के अद्वितीय लेखन को जीवित करेगा, बल्कि यह दर्शकों के लिए एक खास अनुभव भी प्रदान करेगा। दर्शकों को इस क्लासिक कहानी के नए रूप में देखने का बेसब्री से इंतजार है। जो 11 दिसंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा।वन हंड्रेड इयर्स ऑफ सॉलिट्यूड एक प्रसिद्ध उपन्यास है जिसे गेब्रियल गार्सिया मार्केज ने 1967 में लिखा। इसमें कहानी है जोस आर्काडियो बुंडिया और उर्सुला इगुआरन की, जो अपने परिवारों की इच्छा के खिलाफ शादी करते हैं।

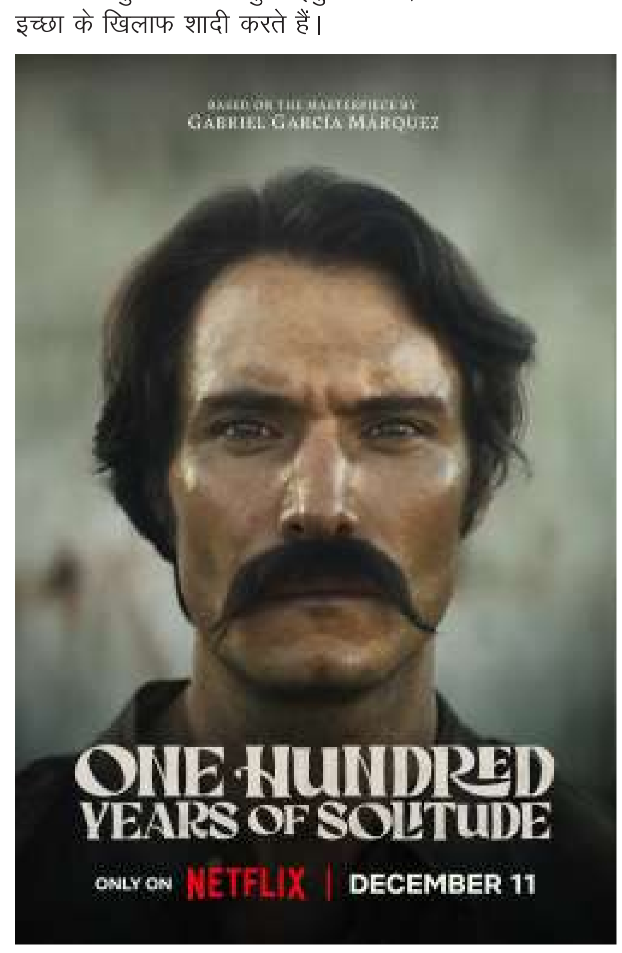

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा को घर खाली करने का मिला नोटिस, ईडी के खिलाफ कोर्ट पहुंचा कपल

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके कारोबारी पति राज कुंद्रा ने कोर्ट से मदद की गुहार लगाई है। कपल ने धन शोधन के एक मामले के संबंध में उनके मुंबई के जुहू इलाके में स्थित आवास और पुणे में एक फार्महाउस को खाली करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के नोटिस को बंबई उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। अदालत ने ईडी को नोटिस जारी किया किया और मामले पर अगली सुनवाई कल होगी।याचिकाओं में शेट्टी और कुंद्रा को 27 सितंबर को जारी ईडी नोटिस को चुनौती दी गयी है जिसमें उन्हें कथित 'बिटकॉइनश धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले के संबंधा में यहां अपना आवासीय परिसर और पुणे में एक फार्महाउस 10 दिन के भीतर खाली करने का निर्देश दिया गया है। दंपति के वकील प्रशांत पाटिल ने कहा कि शेट्टी और कुंद्रा को परिसर खाली करने का नोटिस तीन अक्टूबर को ही मिला। उन्होंने नोटिस को मनमाना तथा गैरकानूनी बताया और उन्हें रद्द करने का अनुरोध किया।याचिकाओं के अनुसार, याचिकाकर्ताओं को अपने परिसरों को खाली करने की तत्काल कोई आवश्यकता नहीं है और इस तरह के बेदखली नोटिस जारी करना अनावश्यक है। याचिकाओं में कहा गया है– ''याचिकाकर्ता मानवीय आधार पर राहत देने का अनुरोध कर रहे हैं क्योंकि नोटिस में उल्लेखित परिसर उनका आवासीय परिसर है जिसमें वह करीब दो दशक से अपने परिवार के छह सदस्यों के साथ रह रहे हैं।श याचिकाओं में उच्च न्यायालय से बेदखली नोटिस पर रोक लगाने का भी अनुरोध किया गया है। याचिकाओं के अनुसार, ईडी ने 'बिटकॉइनश धोखाधड़ी और धन शोधन के आरोपों पर 2018 में अमित भारद्वाज और अन्य लोगों के खिलाफ एक शिकायत दर्ज करायी थी। मामले में शेट्टी और उनके पति को आरोपी के तौर पर नामजद नहीं किया गया है। इसमें कहा गया है कि ईडी ने जांच के दौरान कई बार कुंद्रा को पूछताछ के लिए बुलाया। कुंद्रा हर समन पर एजेंसी के समक्ष पेश हुए। अप्रैल 2024 में शेट्टी और कुंद्रा को ईडी के एक आदेश के आधार पर एक नोटिस मिला, जिसमें जुहू में उनके आवासीय परिसर सहित उनकी संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क करने का उल्लेख था। जुहू स्थित रिहायशी परिसर कुंद्रा के पिता ने 2009 में खरीदा था। शेट्टी और कुंद्रा ने नोटिस पर अपना जवाब दे दिया था। याचिकाओं में कहा गया है कि दोषसिद्धि होने से पहले बेदखली का कोई आदेशध्नोटिस जारी नहीं किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि उनके आवासीय परिसरों का अपराध से मिली आय या इस अपराध से कोई संबंधा नहीं है। याचिकाओं में दावा किया गया है कि कुंद्रा का कथित धोखाधड़ी से कोई संबंध नहीं है।

करण जौहर के शो द ट्रेटर्स की विनर बनीं उर्फी जावेद ! करण कुंद्रा-राज कुंद्रा को ठेंगा दिखाकर ले गई घर ट्रॉफी

बॉलीवुड फिल्म डायरेक्टर करण जौहर के अपकमिंग शो 'द ट्रेटर्स' को लेकर हर दिन कोई ना कोई बड़ी खबर सामने आती रहती है। पहले ये अपने कंटेस्टेंट्स की लिस्ट के कारण चर्चा में था और फिर इसमें से हुए एलिमिनेशन की बातें सामने आई थी। अब इस शो का विनर भी अनाउंस हो गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक करण जौहर के शो 'द ट्रेटर्स' को उर्फी जावेद ने जीत लिया है हालांकि अभी ज्यादा जानकारी नहीं मिली है।द ट्रेटर्स की बात करें तो इस शो को करण जौहर होस्ट करेंगे। इसकी शूटिंग राजस्थान के जैसलमेर में 12 दिनों तक की गई है। शो का कॉन्सेप्ट गेम पर आधारित है और इसमें केवल कंटेस्टेंट्स के गेम प्ले पर ध्यान दिया जाएगा न कि उनके निजी जीवन पर। इस शो में करण कुंद्रा, उर्फी जावेद, राज कुंद्रा, जन्नत जुबैर, महीप कपूर, सुधांशु पांडे, मुकेश छाबड़ा समेत कई अन्य लोकप्रिय चेहरे नजर आएंगे। खबर थी कि पहले राज कुंद्रा और फिर करण कुंद्रा शो से एलिमिनेट हुए थे। यह शो अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा। उर्फी जावेद की बात करें तो वह सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। एक्ट्रेस अपने फैशन सेंस और बोल्ड बयान को लेकर भी काफी ट्रोल होती हैं। उर्फी जावेद की लाइफ पर आधारित वेब सीरीज श्फॉलो कर लो यारश ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थी। इसमें उनकी फैमिली से लेकर काम से जुड़े लोगों के बारे में दिखने को मिला था।

परफेक्ट ऑफबीट बीच वेकेशन के लिए जाएं भारत के इन 5 जगहों पर, रोमांच से भरपूर होगी यात्रा

भारत में सुंदर और शानदार कई समुद्र तट है। वैसे अक्टूबर तक मनसून का मौसम चला जाता है, इसके बाद घूमने का एक अलग ही मजा होता है। अगर आप भी बीच वेकेशन की तलाश में है तो यह लेख आपके लिए है। अक्टूबर का महीना सुमद्र किनारे घूमने के लिए सबसे बढिया माना जाता है। तो चलिए आपको बताते हैं भारत की 5 ऑफबीट बीचेज प्लेसेस।

गोकर्ण, कर्नाटक

गोकर्ण कर्नाटक के पश्चिमी तट पर स्थित यह एक शांतिपूर्ण बीच में से एक है। अक्टूबर के महीने में समुद्र तट एकदम स्वच्छ और शांत नजर आते हैं। यहां कुडले बीच और ओम बीच जैसे खूबसूरत समुद्र तट हैं, जहां पानी के खेल के बहुत सारे ऑप्शन उपलब्ध हैं और पैराडाइज बीच भी है जो मनमोहक सनसेट नजारा देखने को मिलता है। यह कम भीड़–भाड़ वाली जगह निश्चित रूप से आपको यहां काफी आराम मिलेगा।

दीव, गुजरात

दीव एक सुंदर और शांत बीचेज में से एक है जो अपने खूबसूरत समुद्र तटों और पुर्तगाली वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। यहां आप पीक सीजन में भी पर्यटकों की भीड़ के बिना भी यहां एन्जॉय कर सकते हैं। इसके साथ ही समुद्र सुंदरता का आनंद ले सकते हैं।

मांडवी, गुजरात

ऑफबीट बीचेज के लिए गुजरात के मांडवी में भी सुंदर और आश्चर्य से भरपूर समुद्र का किनारा है। अक्टूबर का महीना मांडवी समुद्र तट का आनंद लेने के साथ ही विजय विलास पैलेस को एक्सप्लोर करना और पारंपरिक जहाज निर्माण एक्टिविटी और कला का अनुभव प्राप्त करने के लिए सबसे बेहतर है।

चांदीपुर, ओडिशा

ओडिशा के चांदीपुर बीच एकदम क्लीन और शांत वातावरण के लिए जानी जाती है। अक्टूबर में यहां पर भीड़ नहीं होती है और अपने कम–बादल वाले आसमान के साथ, यह आकर्षक हो जाता है जो इसे लंबी सैर और खोज के लिए आदर्श बनाता है।

बटरफ्लाई बीच, गोवा

बटरफ्लाई बीच गोवा के कई छिपे हुए रत्नों में से एक है। इस समुद्र तट तक नाव से या जंगल में ट्रैकिंग करके पहुंचा जा सकता है। यह क्रिस्टल साफ पानी और हरियाली से घिरी एक छोटी और एकांत बीच है। अक्टूबर में, आप सभी शोर–शराबे से दूर, अधिकांश समुद्र तटों पर घूमने का प्लान बना सकते हैं।

दो दिन मनाई जाएगी दिवाली? धनतेरस और लक्ष्मी पूजा की तिथि पर कन्फ्यूजन, जानें सही तारीख

दीपों का अद्भुत त्योहार दिवाली, जिसे हर साल कार्तिक मास की कृष्णपक्ष अमावस्या को हर्षोल्लास से मनाया जाता है, इस साल 2024 में तिथि को लेकर कन्फयूजन की स्थिति पैदा हो गई है। लोगों के बीच इस बात पर मतभेद है कि दिवाली 31 अक्टूबर को मनाई जाए या 1 नवंबर को। अमावस्या तिथि का दो दिनों तक रहना इस भ्रम का मुख्य कारण है, जिससे लोग दो समूहों में बंट गए हैं। कुछ लोग 31 अक्टूबर को प्रदोष काल में लक्ष्मी पूजा करने के पक्ष में हैं, जबकि कुछ 1 नवंबर को सूर्योदय के आधार पर दिवाली मनाने की बात कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि कौन सी तिथि सही है और किस तर्क के आधार पर दिवाली मनाई जानी चाहिए? आइए जानें इस पर ज्योतिषियों और विद्वानों के तर्क, ताकि आप इस पर्व को सही तिथि पर उल्लास के साथ मना सकें।

दिवाली की तिथि पर विवाद क्यों?

दिवाली की तिथि को लेकर असमंजस का मुख्य कारण इस साल अमावस्या तिथि का दो दिनों तक होना है। 2024 में कार्तिक अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर को दोपहर 3 बजकर 52 मिनट से शुरू होकर 1 नवंबर की शाम 6 बजकर 16 मिनट तक रहेगी। इस कारण कुछ लोग 31 अक्टूबर को दिवाली मना रहे हैं, तो कुछ 1 नवंबर को दिवाली मनाने की सलाह दे रहे हैं।

दो दिन दिवाली मनाने का तर्क

31 अक्टूबर को दिवाली मनाने का तकर्रू कुछ विद्वान यह मानते हैं कि चूंकि अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर की शाम से ही शुरू हो जाती है, इसलिए दिवाली उसी दिन मनानी चाहिए। प्रदोष काल भी इसी दिन है, जो लक्ष्मी पूजन के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है।

1 नवंबर को दिवाली मनाने का तर्क कुछ ज्योतिषाचार्य और पंडित इस तर्क के साथ हैं कि अमावस्या तिथि का अधिकतर हिस्सा 1 नवंबर को रहेगा और इसी दिन सूर्योदय भी अमावस्या के साथ होगा, इसलिए उदयातिथि के आधार पर दिवाली 1 नवंबर को मनाना उचित है।

विद्वानों के तर्क

अयोध्या, काशी, मथुरा और देवघर के ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि मां लक्ष्मी और श्रीगणेश का पूजन 31 अक्टूबर को अमावस्या के प्रदोष काल में करना सबसे उपयुक्त रहेगा। कई प्रमुख मंदिरों, जैसे कि वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर, नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर, तिरुपति देवस्थानम और द्वारकाधीश मंदिर में भी दिवाली 31 अक्टूबर को मनाने की योजना है।

अयोध्या की दिवाली की मान्यता

अवध यानी अयोध्या की दिवाली की तिथि पूरे देश में मान्य होती है क्योंकि दिवाली का त्योहार भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। भगवान राम जब 14 वर्षों के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे, तब अयोध्यावासियों ने उनकी अगवानी के लिए पूरे नगर को दीपों से सजाया था, जो दिवाली के त्योहार का प्रारंभ था। इस कारण अयोध्या की दिवाली तिथि को पूरे देश में प्राथमिकता दी जाती है।

लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त

दिवाली 2024 पर लक्ष्मी पूजन के लिए सबसे उपयुक्त मुहूर्त 31 अक्टूबर को है। प्रदोष काल शाम 05.36 बजे से रात 08.11 बजे तक रहेगा। इसमें वृषभ काल शाम 06.20 बजे से रात 08.15 बजे तक रहेगा। इस समय में मां लक्ष्मी का पूजन करने से विशेष फलदायी माना जाता है।

विशेष पूजन मुहूर्त

लक्ष्मी पूजन के लिए विशेष शुभ मुहूर्त 31 अक्टूबर की शाम 05.36 से 06.15 बजे तक का रहेगा। इस 41 मिनट की अवधि में मां लक्ष्मी, भगवान गणेश, ऋद्धि–सिद्धि और शुभ–लाभ की पूजा करना विशेष लाभकारी रहेगा।

धनतेरस 2024 की तिथि

धनतेरस इस साल 29 अक्टूबर को मनाई जाएगी। इस दिन नए बर्तन, आभूषण और अन्य शुभ सामग्रियों की खरीदारी करने का विधान है। इस दिन भगवान धन्वंतरि और कुबेर की पूजा करके समृद्धि और स्वास्थ्य की कामना की जाती है।

दिवाली की धार्मिक मान्यता

दिवाली का त्योहार न केवल रोशनी का पर्व है, बल्कि यह शुभ समय पर लक्ष्मी का स्वागत करने, परिवार में सुख–समृद्धि लाने और जीवन में खुशहाली के नए अवसर लाने का प्रतीक भी है। यह त्योहार अच्छाई की बुराई पर जीत का जश्न भी है। दिवाली पर लोग अपने घरों को दीपों से सजाते हैं, लक्ष्मी–गणेश की पूजा करते हैं और अपनों के साथ खुशी मनाते हैं। 2024 में दिवाली की सही तिथि को लेकर असमंजस इस बार अमावस्या तिथि के दो दिन रहने के कारण है। विद्वानों की सलाह के अनुसार, 31 अक्टूबर को लक्ष्मी पूजन और दीपावली मनाना अधिक उपयुक्त रहेगा। हालांकि, 1 नवंबर को भी दिवाली मनाई जा सकती है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो उदयातिथि के आधार पर त्योहार मनाते हैं।

करवा चौथ से पहले शीशे सी चमकेगी त्वचा, बस चेहरे पर लगाएं इस आटे का फेसपैक

चावल के आटे का उपयोग स्किनकेयर में सदियों से किया जा रहा है, क्योंकि इसमें त्वचा के लिए कई लाभकारी गुण होते हैं। चावल के आटे में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं, जो त्वचा को निखारने, टैनिंग हटाने, और उसे मुलायम और चमकदार बनाने में मदद करते हैं। यहां कुछ चीजें हैं, जिन्हें चावल के आटे में मिलाकर आप चेहरे पर लगाकर अद्भुत निखार पा सकती हैं।

चावल का आटा और दूध

2 चम्मच चावल के आटे में 2 चम्मच कच्चा दूध मिलाएं और पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर 15–20 मिनट तक लगाकर रखें और फिर हल्के हाथों से स्क्रब करते हुए धो लें। दूध में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को हाइड्रेट करता है और नमी प्रदान करता है, जबकि चावल का आटा मृत त्वचा को हटाता है और त्वचा को प्राकृतिक रूप से निखारता है।

चावल का आटा और एलोवेरा जेल

2 चम्मच चावल के आटे में 1 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें। एलोवेरा जेल त्वचा को मॉइश्चराइज करता है और उसे मुलायम बनाता है। यह पेस्ट चेहरे की जलन और रेडनेस को भी कम करता है।

चावल का आटा और शहद

2 चम्मच चावल के आटे में 1 चम्मच शहद मिलाएं और इसे चेहरे पर लगाएं। इसे 15–20 मिनट तक लगाए रखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें। शहद प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और मॉइश्चराइजर है। यह त्वचा को हाइड्रेट करता है और एक नेचुरल ग्लो लाता है। चावल का आटा त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जिससे त्वचा मुलायम और चमकदार बनती है।

चावल का आटा और दही

2 चम्मच चावल के आटे में 1 चम्मच दही मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट तक रखें और फिर धो लें। दही में लैक्टिक एसिड होता है जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है और उसे मुलायम बनाता है। यह पैक स्किन टोन को भी बेहतर बनाता है और त्वचा की चमक को बढ़ाता है।

चावल का आटा और हल्दी

2 चम्मच चावल के आटे में एक चुटकी हल्दी और थोड़ा गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट तक रखें और फिर धो लें। हल्दी में एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो त्वचा की सूजन को कम करते हैं और उसे साफ और चमकदार बनाते हैं।

इन पैक्स का उपयोग सप्ताह में 2–3 बार करें ताकि आपको बेहतर परिणाम मिल सकें।

नवरात्रि पूजा के लिए पहनें इस तरह की चूड़ियों का सेट, बेहद खूबसूरत लगेंगी आप

शारदीय नवरात्रि का महापर्व शुरू हो चुका है। ऐसे में दुर्गा पूजा का आयोजन होता है और जगह–जगह पर दुर्गा पूजा के पंडाल सजते हैं। वहीं नवरात्रि पर गरबा और डांडिया नाइट्स का भी आयोजन होता है। ऐसे में डांडिया नाइट्स या गरबा नाइट्स के दौरान लोग रंग रंग बिरंगे आउटफिट्स में ट्रेडिशनल या इंडो वेस्टर्न लुक में तैयार होते हैं। ऐसे में आप इस दौरान आउटफिट के चयन के साथ ही एक्सेसरीज का भी ध्यान से चयन करें। क्योंकि यह आपके लुक को ज्यादा खुबसूरत बना सकता है। आप चाहें तो नवरात्रि के मौके पर बॉलीवुड एक्ट्रेस के गरबा नाइट्स लुक से टिप्स लेकर तैयार हो सकती हैं। आप अपने आउटफिट के साथ खास चूड़ियों का सेट भी खुद बनाकर तैयार करें। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको खास चूड़ियों के डिजाइन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे आपके हाथों की खूबसूरती में चार चांद लग जाएंगे।

मिरर वर्क वाली चूड़ियां

नवरात्रि, पूजा, गरबा नाइट्स, डांडिया या दुर्गा पूजा के मौके पर इस तरह की चूड़ियों का सेट काफी सुंदर और हर मौके के अनुरूप हैं। आप चाहें को इस तरह की चूड़ियों को खुद स्टाइल कर सकती हैं। वहीं माता की चौकी या कीर्तन के मौके पर भी आप हर तरह की साड़ी के साथ इस तरह के मिरर वर्क वाली चूड़ियां अच्छी लगेंगी।

पर्ल वाली चूड़ियां

नवरात्रि पूजा में आपको सोलह श्रृंगार करना है, तो आपको लाल रंग की सुंदर पर्ल डिजाइन वाली चूड़ियां पहननी चाहिए। यह आपके हाथों की खूबसूरती को बढ़ा देंगी। इसके साथ ही लाल रंग की चूड़ियों पर गोल्डन लटकन और मोती की डिजाइन अच्छी लगेगी। नवविवाहिता के हाथों में इस तरह की चूड़ियां बहुत अच्छी लगेंगी।

गोटा पट्टी चूड़ियां

डांडिया नाइट्स या गरबा कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान आप गोटा पट्टी चूड़ियां पहन सकती हैं। यह आपके लुक को प्रभावी बनाएंगी। वहीं यह चूड़ियां पारंपरिकता को मॉडर्न स्टाइल देंगी। अगर आप साड़ी या लहंगा की जगह सूट और इंडो वर्स्टन पहन रही हैं, तो भी इस तरह की चूड़ि़यों का सेट पहन सकती हैं।

मल्टीकलर कंगन सेट

नवरात्रि के मौके पर हर आउटफिट के साथ मैच करने के लिए आप मल्टीकलर चूड़ियां पहन सकती हैं। यह आपको बेहद सुंदर लुक देंगी। वहीं इन चूड़ियों का शिमरी वर्क भी आपके लुक को प्रभावी बनाएगा। डांडिया नाइट्स के मौके पर मल्टीकलर चूड़ियां आपके ड्रेस के साथ मैच करेंगी।

संक्षिप्त

फोर्ब्स इंडिया की अमीरों की सूची में मुकेश अंबानी 108 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ फिर शीर्ष स्थान पर

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने 2024 फोर्ब्स की 100 सबसे अमीर भारतीय उद्योगपतियों की सूची में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। फोर्ब्स ने बताया कि इस साल भारत के शीर्ष 100 सबसे धनी लोगों की सामूहिक कुल संपत्ति पहली बार एक ट्रिलियन डॉलर को पार कर गई है। यह तब हुआ जब मुकेश अंबानी ने रिलायंस निवेशकों के लिए दिवाली उपहार के रूप में बोनस शेयर की घोषणा की। फोर्ब्स के अनुसार, मुकेश अंबानी डॉलर के मामले में दूसरे सबसे बड़े लाभार्थी थे, जिनकी संपत्ति पिछले एक साल में 27.5 बिलियन डॉलर बढ़कर 119.5 बिलियन डॉलर हो गई। उनकी वर्तमान कुल संपत्ति 108.3 बिलियन डॉलर है, जो उन्हें दुनिया का 13वां सबसे अमीर व्यक्ति बनाती है। इसके अलावा पत्रिका की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 के लिए फोर्ब्स की अमीरों की सूची में शीर्ष 100 लोगों की संयुक्त संपत्ति एक ट्रिलियन डॉलर के ऐतिहासिक मील के पत्थर को पार कर गई है और कुल संपत्ति 2024 में 40 प्रतिशत बढ़कर 1.1 ट्रिलियन डॉलर हो गई है, जो 2023 में दर्ज 799 बिलियन डॉलर से अधिक है। पत्रिका ने कहा कि मजबूत शेयर बाजार, आईपीओ और म्यूचुअल फंड के कारण भारत में अमीर और अमीर हो रहे हैं। फोर्ब्स ने कहा कि बाजार में उत्साह अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है क्योंकि बीएसई सेंसेक्स में पिछले साल से 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, ष्परिणामस्वरूप, सूची में शामिल 80 प्रतिशत से अधिक लोग अमीर हो गए हैं, जिनमें से 58 ने अपने संबंधित नेटवर्थ में 1 बिलियन डॉलर या उससे अधिक की वृद्धि की है।

शेयर बाजार में हरे निशान पर कारोबार, सेंसेक्स 500 अंक चढ़ा, निफ्टी 25000 के पार

नई दिल्ली। फेडरल रिजर्व की नवीनतम नीति बैठक के मिनटों में अमेरिका में ब्याज दरों में और कटौती के संकेत मिलने के बाद, वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के बीच सकारात्मक रुझान के कारण भारतीय प्रमुख इक्विटी सूचकांक भी गुरुवार को बढ़त के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 513 अंक या 0.63: बढ़कर 81,980.40 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी50 130 अंक या 0.52: बढ़कर 25,112.65 पर पहुंच गया। बाजार में निवेशकों का ध्यान गुरुवार के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर रहेगा, विशेष रूप से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर, ताकि फेड के आगे के फैसले पर रुझान मिल सके। इसके अलावे कंपनियों के परिणामों पर भी बाजार की नजर बनी रहेगी। सेक्स के शेयरों में, एलएंडटी, पावर ग्रिड , एमएंडएम, एनटीपीसी और टाटा स्टील शीर्ष लाभार्थियों रहे और इनमें प्रत्येक में 1: से अधिक की वृद्धि हुई। इसके विपरीत, इंफोसिस , टाटा मोटर्स , टेक महिंद्रा , हिंदुस्तान यूनिलीवर और एशियन पेंट्स गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। महाराष्ट्र में एक नए उर्वरक संयंत्र के लिए राष्ट्रीय केमिकल्स द्वारा एलएंडटी को 1,000 करोड़ रुपये का अनुबंध दिए जाने के बाद एलएंडटी के शेयरों में शुरुआती कारोबार में लगभग 2: की तेजी आई। व्यापक, अधिक घरेलू रूप से केंद्रित निफ्टी स्मॉलकैप 100 और मिडकैप 100 में से प्रत्येक में 0.5: से अधिक की वृद्धि हुई ।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 96.96 करोड़ पहुंची, दूरसंचार कंपनियों को हर ग्राहक से 8प्रतिशत अधिक कमाई

नई दिल्ली। देश में इंटरनेट ग्राहकों की संख्या चालू वित्त वर्ष की अप्रैल–जून अवधि में तिमाही आधार पर 1.59 फीसदी बढ़कर 96.96 करोड़ पहुंच गई। जनवरी–मार्च तिमाही में देश में 95.44 करोड़ इंटरनेट ग्राहक थे। कुल 96.96 करोड़ ग्राहकों में 4.20 करोड़ लोग वायर के जरिये इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं, जबकि वायरलेस इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 92.75 करोड़ पहुंच गई है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की ओर से 'इंडिया टेलीकॉम सर्विसेज परफॉर्मेंस इंडिकेटर' रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल–जून तिमाही के दौरान मोबाइल सेवाओं के लिए हर ग्राहक से दूरसंचार कंपनियों को होने वाली कमाई सालाना आधार पर 8.11 फीसदी बढ़कर 157.45 रुपये पहुंच गई है। मासिक आधार पर इन कंपनियों का प्रति उपयोगकर्ता औसत मासिक राजस्व (एआरपीयू) जनवरी–मार्च तिमाही के 153.54 रुपये की तुलना में 2.55 फीसदी बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल–जून तिमाही में दूरसंचार सेवा क्षेत्र का समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बढ़कर 70,555 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसमें तिमाही आधार पर 0.13 फीसदी और सालाना आधार पर 7.51 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

ब्रॉडबैंड से 94 करोड़ लोग चलाते हैं इंटरनेट

रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रॉडबैंड के जरिये इंटरनेट चलाने वालों की संख्या अप्रैल–जून तिमाही में 1.81 फीसदी बढ़कर 94.07 करोड़ पहुंच गई। जनवरी–मार्च तिमाही में इनकी संख्या 92.40 करोड़ थी। हालांकि, नैरोबैंड इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 3.03 करोड़ से घटकर 2.88 करोड़ रह गई।

टेलीफोन ग्राहक रू 120.56 करोड़

देश में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या अप्रैल–जून तिमाही में बढ़कर 120.56 करोड़ हो गई। इसमें जनवरी–मार्च की तुलना में 0.53 फीसदी और सालाना आधार पर 2.70 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

शहरी इलाकों में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या 66.53 करोड़ से बढ़कर 66.71 करोड़ पहुंच गई। ग्रामीण इलाकों में भी यह संख्या 53.85 करोड़ है, जो तिमाही आधार पर अधिक है।

117 करोड़ वायरलेस ग्राहक

देश में वायरलेस ग्राहकों की संख्या शुद्ध रूप से 50.4 लाख बढ़कर अप्रैल–जून में 117.05 करोड़ पहुंच गई है। मासिक आधार पर संख्या 0.43 फीसदी और सालाना आधार पर 2.36 फीसदी बढ़ी है। इस दौरान वायरलाइन ग्राहकों की संख्या मासिक आधार पर 3.90 फीसदी और सालाना आधार पर 15.81 फीसदी बढ़कर 3.51 करोड़ पहुंच गई।

भारत की जीत से पाकिस्तान को लगा झटका, सेमीफाइनल की राह हुई कठिन, जानें समीकरण

दुबई। श्रीलंका के खिलाफ जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान के लिए मुश्किलें पैदा कर दी हैं। भारत बनाम श्रीलंका मैच से पहले ग्रुप ए की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहने वाली फातिमा सना की टीम अब तीसरे पायदान पर खिसक गई है। उनकी जगह हरमनप्रीत कौर की टीम ने ले ली है। हम यहां आपको ग्रुप ए के समीकरणों के विषय में बताएंगे कि किस तरह भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। आइये जानते हैं...

दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत 82 रनों से जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। इस मैच से पहले उनका नेट रनरेट चिंता का विषय बना हुआ था। हालांकि, श्रीलंका के खिलाफ जीत के साथ उनका नेट रनरेट अब +0.576 का हो गया है और उनके खाते में चार अंक हो गए हैं। शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है जिनका नेट रनरेट ग्रुप की अन्य टीमों के मुकाबलों काफी बेहतर है। लगातार दो मैचों में दो जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम का नेट रनरेट 2.524 का है और उनके खाते में चार अंक हैं। भारत की इस जीत ने पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दरअसल, दोनों ग्रुपों की अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीमें ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करती हैं। अब भारत को अपना अंतिम मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना है। यह मैच 13 अक्तूबर को दुबई में ही खेला जाएगा। अगर भारत इस मैच में जीत हासिल करने में कामयाब होता है तो उनकी स्थिति अंक तालिका में मजबूत हो जाएगी बशर्ते उन्हें यह मैच बड़े अंत से जीतना होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के अलावा भारत को उम्मीद करनी होगी कि न्यूजीलैंड और पाकिस्तान दोनों अपने बचे हुए दो मैचों में से कम से कम एक मैच हार जाएं। तब भारत नेट रनरेट पर निर्भर हुए बिना

अंकों के आधार पर क्वालिफाई कर जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के अपने बचे हुए दोनों मैच हारने की स्थिति में भी भारत अंकों के आधार पर सेमीफाइनल में पहुंच सकता है। उस स्थिति में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान में से केवल एक ही टीम छह अंक हासिल कर सकती है।अगर भारत अपने आखिरी लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया को हरा देता है तो ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच छह अंकों के साथ त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है। भारत की मामूली जीत न्यूजीलैंड की दिलचस्पी बनाए रखेगी। उदाहरण के लिए, अगर भारत सिर्फ एक रन के अंतर से जीतता है, तो न्यूजीलैंड को भारत के नेट रनरेट को पार करने के लिए श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ अपने दो बचे हुए मैच लगभग 38 रन के संयुक्त अंतर से जीतने होंगे। अगर भारत 10 रन के अंतर से जीतता है तो यह संयुक्त अंतर लगभग 48 रन हो जाएगा। न्यूजीलैंड के पास पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी लीग गेम खेलने का फायदा है और तब तक समीकरण साफ हो जाएंगे।

इंग्लैंड के हैरी ब्रूक ने बल्ले से मचाया तूफान, ठोकी दूसरी सबसे तेज ट्रिपल सेंचुरी

हैरी ब्रूक का बवंडर मुल्तान में देखने को मिला। 2004 में ऐसी ही सुनामी पाकिस्तान के खिलाफ इसी मैदान पर भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बल्ले से आई थी। उन्होंने भी टेस्ट मैच में मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ तिहरा शतक जड़ा था और अब हैरी ब्रूक ने पाकिस्तान के खिलाफ ट्रिपल सेंचुरी जड़ने का कीर्तिमान स्थापित किया है।

इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक का कमाल मुल्तान में देखने को मिला। 2004 में ऐसी ही सुनामी पाकिस्तान के खिलाफ इसी मैदान पर भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बल्ले से आई थी। उन्होंने भी टेस्ट मैच में मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ तिहरा शतक जड़ा था और अब हैरी ब्रूक ने पाकिस्तान के खिलाफ ट्रिपल सेंचुरी जड़ने का कीर्तिमान स्थापित किया है। हैरी ब्रूक की ये ट्रिपल सेंचुरी टेस्ट में दूसरी सबसे तेज ट्रिपल सेंचुरी है। वहीं, 34 साल के बाद इंग्लैंड के किसी बल्लेबाज ने इस फॉर्मेट में तिहरा शतक जड़ा है। इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी बार किसी बल्लेबाज ने साल 1990 में टेस्ट क्रिकेट में ट्रिपल सेंचुरी जड़ी थी। ग्राहम गूच ने भारत के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर 333 रनों की पारी खेली थी। अब 34 साल के बाद हैरी ब्रूक इस जादुई आंकड़े तक पहुंचे हैं। इसके अलावा आखिरी बार किसी बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर ने पाकिस्तान के ही खिलाफ नवंबर 2019 में ठोका था। दाएं हाथ के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अपने करियर का पहला तिहरा शतक जड़ा। पाकिस्तान के खिलाप दूसरी बारी किसी बल्लेबाज ने इस मैदान पर तिहरा शतक जड़ा है। 311 गेंदों में हैरी ब्रूक ने ट्रिपल सेंचुरी पूरी की है। इसके साथ ही हैरी ब्रूक ने इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक जड़ने वाले छठे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले लियोनार्ड ह्यूटन (364), वैरी हैमंड (336′), ग्राहम गूच (333), एंडी सैंडम (325) और जॉन एडरिच (310′) ने ये कमाल किया था। हैरी ब्रूक ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम गेंदों में शतक पूरा करने के मामले में कई दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। वे सिर्फ वीरेंद्र सहवाग से पीछे हैं। सहवाग ने 278 गेंदों में साउथ अफ्रीका के खिलाफ तिहरा शतक जड़ा था, जबकि हैरी ब्रूक ने 310 गेंदों में तिहरा शतक पूरा किया है।

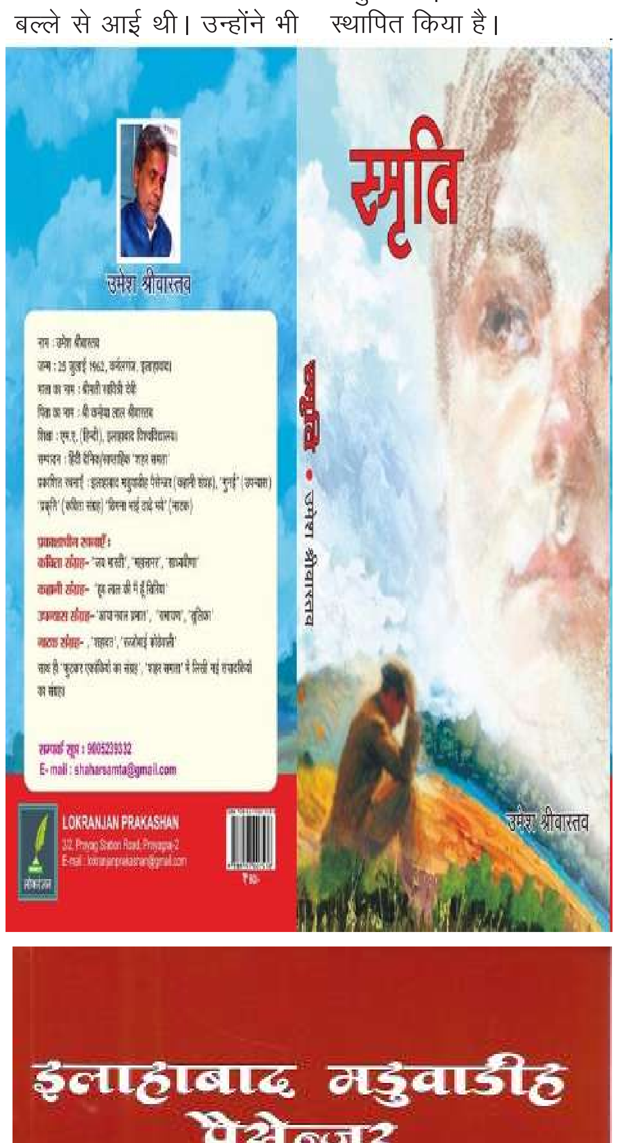

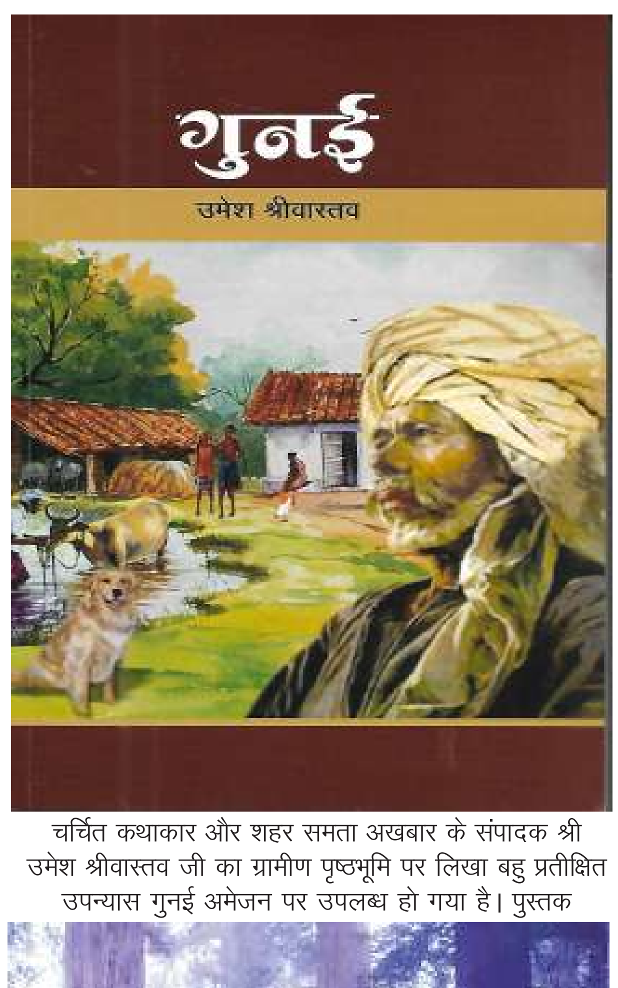

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

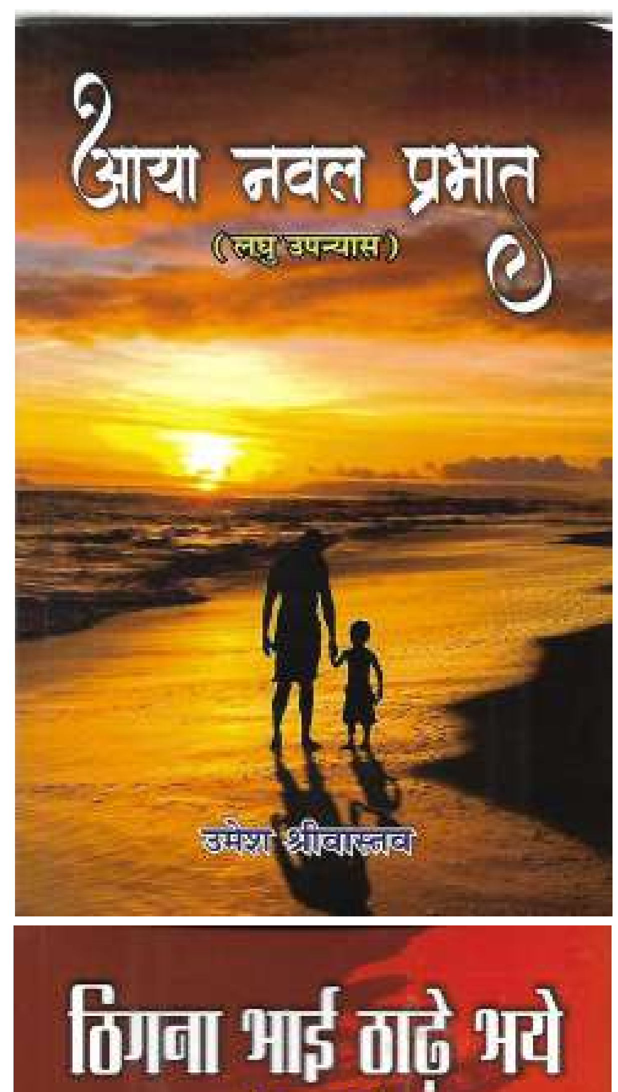

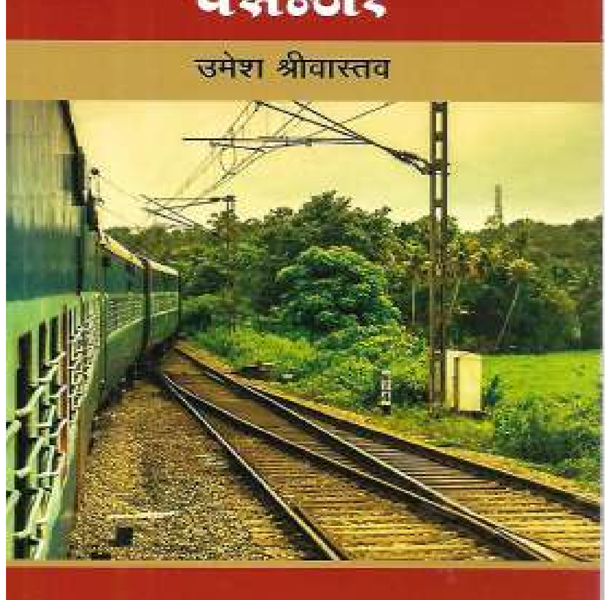

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

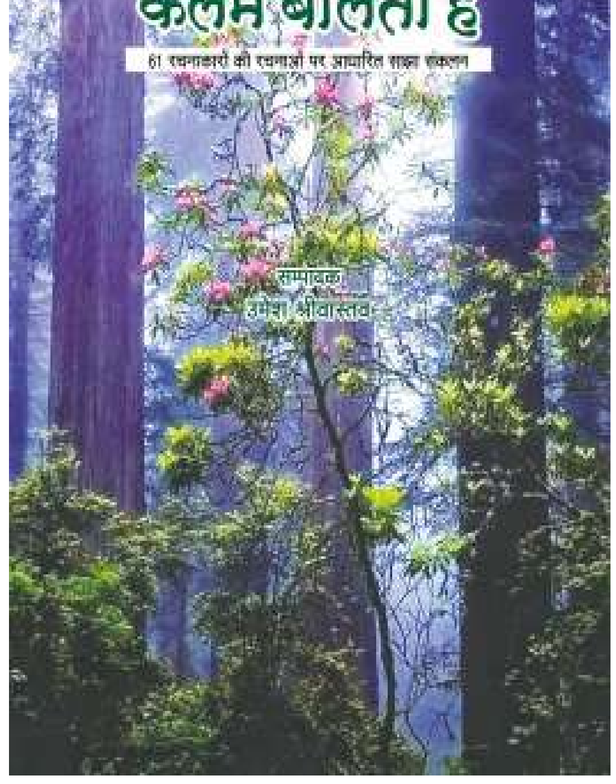

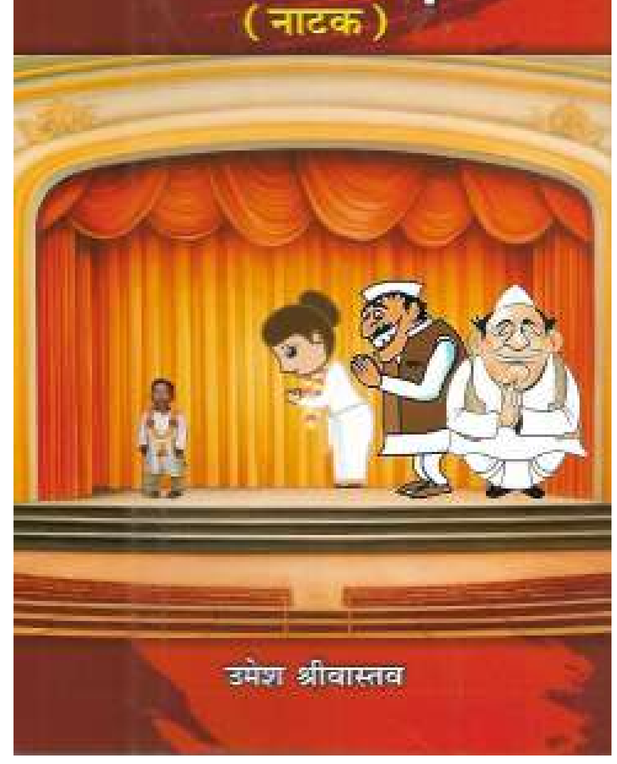

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

राष्ट्रपति बाइडन ने इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से फोन पर बात की

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फोन पर बातचीत की। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब इजराइल ने हाल में लेबनान में जमीनी सैन्य कार्रवाई शुरू की और ईरान के बैलेस्टिक

मिसाइल हमले की जवाबी कार्रवाई पर विचार कर रहा है। नेतन्याहू के कार्यालय ने पुष्टि की है कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी बात की थी। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, ट्रंप ने पिछले सप्ताह नेतन्याहू को फोन किया और ''इजराइल द्वारा हिजबुल्ला के खिलाफ चलाए गए दृढ़ अभियानों के लिए उन्हें बधाई दी।'' रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के खिलाफ राष्ट्रपति पद की दौड़ में हैं।

गाजा में आश्रयस्थल पर इजराइली हमले में 13 लोग मारे गए : फलस्तीनी अधिकारी

फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को गाजा में विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर इजराइली हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई तथा मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अल–अक्सा

शहीदी अस्पताल ने दीर अल–बला के केंद्रीय शहर में हुए हमले में मारे गए लोगों की संख्या की पुष्टि की है। एसोसिएटेड प्रेस के एक संवाददाता ने अस्पताल में एंबुलेंस को आते देखा। निवासियों ने बताया कि हमले का लक्ष्य आश्रय गृह के अंदर हमास द्वारा संचालित पुलिस की अस्थायी चौकी थी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादी हमले में दो पुलिसकर्मियों की मौत

पाकिस्तान के अशांत उत्तर–पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बृहस्पतिवार को गश्त के दौरान पुलिस की एक वैन पर संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा घात लगा कर किए गए हमले में कम से कम दो पुलिसकर्मी मारे गए और तीन घायल हो गए। आतंकियों ने टैंक जिले के पठान कोट के पास पुलिस वैन पर घात लगाकर हमला किया। घायलों को जिला मुख्यालय के

एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शवों को भी अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। फिलहाल किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पुलिस ने बताया कि इससे पहले बुधवार को प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने शिया समुदाय के एक स्थानीय नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि कोहाट जिले के ओल्ड जेल रोड पर कबायली जिला ओरकजई निवासी हामिद असकरी की दो अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी। इस बीच, छुट्टी पर अपने परिवार से मिलने आए फ्रंटियर कोर (एफसी) के एक सैनिक को बुधवार को टैंक जिले से अगवा कर लिया गया। पाकिस्तानी तालिबान से संबद्ध गुटों ने अपहरण की जिम्मेदारी ली है।

डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की, सबसे अच्छा इंसान बताया

अमेरिका में नवंबर में प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें ''सबसे अच्छा इंसान' बताया और कहा कि वह ''उनके दोस्त हैं।'' ट्रंप ने फ्लैगरेंट पॉडकास्ट के दौरान एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की, जिसे बुधवार को अपलोड किया गया। उन्होंने कहा, ''मोदी, भारत। वह मेरे दोस्त हैं। वह सबसे अच्छे इंसान हैं।

दक्षिणी लेबनान के असैन्य सुरक्षा केंद्र पर इजराइली हवाई हमले में पांच स्वास्थ्यकर्मियों की मौत

दक्षिणी लेबनान के दरदघया शहर में बुधवार को एक लेबनानी असैन्य सुरक्षा केंद्र पर इजराइली हवाई हमले में वहां कार्यरत पांच स्वास्थ्यकर्मी मारे गए। नागरिक सुरक्षा प्रवक्ता एली खैरल्ला ने यह जानकारी दी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी एक बयान में इस खबर की पुष्टि करते हुए कहा कि इजराइल ने ''अंतरराष्ट्रीय कानूनों, मानदंडों और मानवीय समझौतों की अवहेलना करते हुए बुधवार की रात फिर से बचाव दल और एम्बुलेंस कर्मचारियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है।'' खैरल्ला ने बताया कि पीड़ितों में लेबनानी असैन्य सुरक्षा केंद्र में 'टायर रिजनल सेंटर' के प्रमुख अब्दुल्ला अल–मौसावी भी शामिल हैं। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि टीम तलाश अभियान के तहत मलबे में दबे लोगों की खोज कर रही है।

पूर्व पाकिस्तानी पीएम इमरान ने संयुक्त राष्ट्र को लिखा पत्र, संविधान में संशोधन के कदम के खिलाफ खोला मोर्चा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने एक बार फिर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला है। उन्होंने संविधान में संशोधनों को लागू करने के मौजूदा सरकार के फैसले के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र को एक पत्र लिखा है। उनका कहना है कि इस फैसले का उद्देश्य देश में न्यायिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों को खतरा पहुंचाना है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार अपने नियोजित संवैधानिक संशोधनों को लागू करने के लिए जरूरी संख्या जुटाने का प्रयास कर रही है। इसी पर इमरान खान ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखा। साथ ही एडवर्ड फिट्जगेराल्ड केसी और तात्याना ईटवेल और जेनिफर रॉबिन्सन के माध्यम से न्यायाधीशों और वकीलों की स्वतंत्रता पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत मार्गरेट सैटरथवेट को एक तत्काल अपील भी दायर की है। दोनों को खान के परिवार द्वारा उनकी ओर से संयुक्त राष्ट्र में भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय वकालत करने का निर्देश दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के अधिकार को प्रभावित करना मकसद

इमरान खान के वकील फिट्जगेराल्ड केसी, ईटवेल और रॉबिन्सन ने दावा किया कि संविधान में किए गए बदलावों का उद्देश्य वास्तव में सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र को प्रभावित करना है और इससे देश में मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए मौजूदा सजा को मजबूत किया जाएगा।

पहले भी लिख चुके हैं पत्र

यह पहली बार नहीं है जब इमरान खान ने पाकिस्तान के घरेलू राजनीतिक मामलों के बारे में किसी अंतरराष्ट्रीय निकाय को पत्र लिखा है। इससे पहले उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से आग्रह किया था कि वह आठ फरवरी के चुनाव का ऑडिट कराए। उन्होंने चुनावों में धांधली होने का आरोप लगाया था।

पूर्व पीएम ने यह मांग की

संवैधानिक बदलावों का मकसद न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाना और एक संवैधानिक अदालत का गठन करना शामिल है, जिसका खान और उनकी पार्टी ने कड़ा विरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र को लिखे पत्र में खान ने यह कहते हुए चिंता व्यक्त की है कि यह कानून कानून के शासन और पाकिस्तान के लोगों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करता है। अपील में संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत से मामले पर इस्लामाबाद को तत्काल संदेश जारी करने का भी आग्रह किया गया है।

यह खतरा बताया

यूएन को लिखे अपने पत्र में खान ने कथित तौर पर कहा है कि संवैधानिक संशोधनों से सुप्रीम कोर्ट का अधिकार क्षेत्र एक नए संघीय संवैधानिक न्यायालय को मिल जाएगा, नए संघीय संवैधानिक न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का चयन एक नई नेशनल असेंबली समिति द्वारा किया जाएगा, जिसकी बैठकें निजी तौर पर होंगी। इससे न्यायिक नियुक्तियों में राजनीतिक हस्तक्षेप के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं और इसे न्यायिक स्वतंत्रता तथा सार्वजनिक जांच को कम करने के प्रयास के रूप में देखा जाता है। इमरान खान के इस कदम की सत्तारूढ़ पार्टी के राजनीतिक नेताओं ने कड़ी आलोचना की, जिन्होंने कहा कि खान के कार्य उनके व्यक्तिगत राजनीतिक लाभ के लिए पाकिस्तान की आर्थिक स्थिरता को खतरे में डाल देंगे।

नौकरी के बहाने युवाओं से कराई जाती थी साइबर ठगी

एनआईए का मानव तस्करी गिरोह के खिलाफ चार्जशीट में दावा

अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक और एक्शन लिया है। उसने मानव तस्करी करने वाले एक गिरोह के सदस्यों के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। चार्जशीट के मुताबिक, गिरोह यूरोपीय और अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने के लिए चीनी घोटालेबाजों द्वारा चलाए जा रहे साइबर अपराध केंद्रों में काम करने के लिए भारतीयों को लाओस भेजने का काम करता था। जांच एजेंसी ने बुधवार को विशेष अदालत के समक्ष गिरोह के सदस्यों मंजूर आलम उर्फ गुड्डू, साहिल, आशीष उर्फ अखिल, पवन यादव उर्फ अफजल उर्फ अफरोज के साथ मुख्य साजिशकर्ता कामरान हैदर उर्फ जैदी के खिलाफ चार्जशीट दायर की।

युवाओं से जबरन कराया जाता था साइबर अपराध

एनआईए के प्रवक्ता ने बताया, जांच से पता चला है कि सभी पांच लोग लाओ पीडीआर के गोल्डन ट्राइ एंगल क्षेत्र में भारतीय युवाओं को तस्करी करने में शामिल थे। इन युवाओं को नौकरी के बहाने यूरोपीय और अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने वाले साइबर अपराध को करने पर मजबूर किया जाता था। वे कंसल्टेंसी फर्म अली इंटरनेशनल सर्विसेज के माध्यम से काम करते थे, जो मानव तस्करी के लिए एक मोर्चे के रूप में काम करती थी। चार्जशीट के मुताबिक, जैदी ने पूरे ऑपरेशन में मदद की थी। उसने चीनी घोटालेबाजों के चंगुल से भागने की कोशिश करने वाले पीड़ितों से क्रिप्टो करेंसी वॉलेट के माध्यम से पैसे ऐंठे।

पवन यादव का यह था काम

अधिकारी ने कहा, शपवन यादव ने अन्य मध्यस्थ एजेंटों को दरकिनार कर तस्करी किए गए व्यक्तियों को नौकरी के बदले सीधे अपने गिरोह में शामिल कर लिया। उसने उन्हें चीनी कंपनियों में नौकरी पर रखा, जो फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाने और अमेरिका तथा यूरोप के लोगों से चौट करने में शामिल थे। साथ ही इन लोगों को साइबर घोटाले के हिस्से के रूप में क्रिप्टो करेंसी एप में निवेश करने के लिए राजी करता था। एजेंसी ने कहा कि उसकी जांच में विभिन्न अवैध गतिविधियों में शामिल तस्करों और दलालों के एक सुसंगठित नेटवर्क का खुलासा हुआ है। इनमें बिना लाइसेंस के मानव संसाधन आपूर्ति एजेंसियों के संचालन से लेकर दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों में आपराधिक गतिविधियों के लिए संभावित पीड़ितों के अवैध स्थानांतरण और परिवहन तक शामिल हैं। आरोप पत्र में नामित आरोपी सीधे तौर पर हवाई टिकट और दस्तावेजों की व्यवस्था करने तथा गोल्डन ट्राइ एंगल क्षेत्र में संपर्कों की मदद से अवैध सीमा पार करने में शामिल थे।

बाइडन ने नेतन्याहू से की बात, इस्राइल के ईरान पर संभावित हमले को लेकर दिया समर्थन

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से टेलीफोन पर बात की। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। इस बातचीत के दौरान बेंजामिन नेतन्याहू ने इस्राइल के ईरान पर संभावित हमले को लेकर अमेरिका का समर्थन दोहराया और लगातार संपर्क में रहने की बात भी कही। हसन नसरल्ला की मौत के बाद ईरान ने इस्राइल पर हमला किया था। इससे पहले जब सीरिया में इस्राइली हमले में ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडर मारे गए थे, तब भी ईरान ने इस्राइल पर हमला किया था। ऐसे में अब सभी की निगाहें इस्राइल के जवाब पर टिकी हैं।

जो बाइडन और बेंजामिन नेतन्याहू की यह बीतचीत बीते दो महीने में पहली बार हुई। इस दौरान बाइडन ने नेतन्याहू को लेबनान में आम नागरिकों को कम से कम नुकसान पहुंचाने का आग्रह भी किया। इससे पहले अमेरिका ने इस्राइल को ईरान के तेल ठिकानों पर हमला न करने को भी कहा था। गौरतलब है कि बीते दिनों ईरान ने इस्राइल पर मिसाइल और रॉकेट हमला किया था। इसके बाद इस्राइल ने बदला लेने और ईरान पर जवाबी कार्रवाई करने की बात कही थी। अमेरिका ने भी ईरान के इस्राइल पर हमले की निंदा की थी और इस्राइल को अडिग समर्थन देने का वादा किया था। व्हाइट हाउस के बयान में कहा गया कि अमेरिका और इस्राइल की राष्ट्रीय सुरक्षा टीमें लगातार संपर्क में रहेंगी। दोनों नेताओं की बातचीत में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी शामिल हुईं। यह बातचीत ऐसे समय हुई, जब इस्राइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ईरान के हमले पर इस्राइली प्रतिक्रिया को लेकर अमेरिकी नेतृत्व से बातचीत करने वाले थे। इस्राइली रक्षा मंत्री ने बुधवार को कहा कि शईरान पर हमारा हमला घातक, सटीक और हैरान करने वाला होगा।श व्हाइट हाउस ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच करीब 30 मिनट तक बातचीत हुई। लेबनान पर इस्राइली हमले को लेकर व्हाइट हाउस की प्रवक्ता जीन पियरे ने कहा कि शहम लेबनान को दूसरे गाजा में बदलते नहीं देख सकते और न ही देखेंगे।श पश्चिम एशिया के हालात को लेकर जो बाइडन और बेंजामिन नेतन्याहू के बीच तनाव की खबरें भी आईं थी, जब इसे लेकर व्हाइट हाउस की प्रवक्ता से सवाल किया गया तो उन्होंने इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

भारत के विरोध के बाद ब्रिटेन में नगा खोपड़ी की नीलामी रुकी, नगालैंड में विरोध प्रदर्शन के बीच लिया फैसला

लंदन। ब्रिटेन के एक नीलामी गृह ने बुधवार को अपने 'नगा मानव खोपड़ी' को 'लाइव ऑनलाइन बिक्री' की सूची से हटा लिया। उसने इस मुद्दे पर भारत के विरोध के बाद यह कदम उठाया। ऑक्सफोर्डशायर के टेस्ट्सवर्थ में स्वॉन नीलामी गृह के पास उसके 'द क्यूरियस कलेक्टर सेल, एंटीक्वेरियन बुक्स, मैनुस्क्रिप्ट्स एंड पेंटिंग्स' के तहत दुनियाभर से प्राप्त खोपड़ियों व अन्य अवशेषों का संग्रह है। '19वीं शताब्दी की सींग युक्त नगा मानव खोपड़ी, नगा जनजाति' को बिक्री के लिए सूची में लॉट नंबर 64 पर रखा गया था। इसकी बिक्री को लेकर नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने विरोध जताया था और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से इस बिक्री को रोकने में दखल की मांग की थी। रियो ने अपने पत्र में लिखा, ब्रिटेन में नगा मानव खोपड़ी की नीलामी के प्रस्ताव की खबर ने सभी वर्ग के लोगों पर नकरात्मक असर डाला है क्योंकि हमारे लोगों के लिए यह बेहद भावनात्मक और पवित्र मामला है।

फ्लोरिडा के तट से टकराया चक्रवाती तूफान मिल्टन, अमेरिका के मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

वॉशिंगटन। चक्रवाती तूफान मिल्टन अमेरिका में फ्लोरिडा के तट से टकराया है। चक्रवाती तूफान मिल्टन को तीसरी श्रेणी का खतरनाक तूफान बताया गया है। ऐसे में अमेरिका के मौसम विभाग ने लोगों के लिए चेतावनी जारी की है। तूफान के असर से फ्लोरिडा और आसपास के इलाकों में 120 मील प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं। हालांकि इनकी रफ्तार कुछ कम हुई है।

अमेरिका के मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

अमेरिका के मौसम विभाग ने टेंपा और सेंट पीट्सबर्ग इलाकों में रहने वाले लोगों को चेतावनी जारी की है और उन्हें सुरक्षित ठिकानों पर रहने की सलाह दी है। फ्लोरिडा के तट से टकराने के बाद से चक्रवाती तूफान कमजोर पड़ा है, लेकिन उसका चक्रवाती तूफान का दर्जा अभी भी बरकरार है। तूफान अटलांटिक महासागर में दाखिल होगा और गुरुवार तक इसके उष्णकटिबंधीय तूफान में बदलने का अनुमान है। तूफान के चलते बुधवार सुबह को फ्लोरिडा के 23 फीसदी और टेंपा बे और सेंट पीट्सबर्ग इलाकों के 59 फीसदी गैस स्टेशन बिना ईंधन के थे।

बीते महीने भी अमेरिका में चक्रवाती तूफान हेलेन ने मचाई थी तबाही

तूफान के चलते अमेरिका के कई शहरों में बवंडर की चेतावनी जारी की गई है। इससे पहले चक्रवाती तूफान के खतरनाक स्तर को देखते हुए कई जगह बाढ़ और भारी बारिश की आशंका जताई गई थी, लेकिन फिलहाल तूफान के कमजोर पड़ने से लोगों ने राहत ली है। बीते महीने ही अमेरिका में चक्रवाती तूफान हेलेन ने तबाही मचाई थी। तूफान के चलते अमेरिका में 52 लोगों की मौत हुई थी। तूफान के असर से दक्षिण पूर्व के इलाकों में भारी बाढ़ और तबाही देखने को मिली थी। चक्रवाती तूफान हेलेन के चलते फ्लोरिडा, जॉर्जिया, नॉर्थ कैरोलिना, साउथ कैरोलिना और वर्जीनिया में लोगों की जान गई । कैटगरी–4 के उस चक्रवाती तूफान के चलते 225 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चलीं। विशेषज्ञों का कहना है कि तूफान के चलते 15–26 अरब डॉलर के आर्थिक नुकसान का अनुमान है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।